शनिवार
09 जुलाई 2022

पृष्ठ 4

वजन कम करने में मदद करती है ग्रीन टी?

पृष्ठ 5

शाहरुख और एटली की फिल्म में शामिल हो सकती हैं दीपिका

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 155
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

वाणी चाँदी है, मौन सोना है,
वाणी पार्थिव है पर मौन दिव्य।
– कहावत

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

हिंदुओं की हत्या के विरोध में हल्ला बोल

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। हिंदुओं की हत्याओं के विरोध में आज राजधानी दिल्ली में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल जैसे तमाम हिंदू संगठनों द्वारा आयोजित संकल्प मार्च के जरिए गला काट गैंग को कड़ा संदेश दिया गया। इस संकल्प मार्च में उमड़ी बेतहाशा भीड़ ने हिंदुत्व की ताकत का प्रदर्शन कर गला काटने की धमकियां देने वालों को संदेश दिया गया कि देश शरिया से नहीं संविधान से चलेगा।

अभी हाल ही में कट्टरपंथियों द्वारा उदयपुर और अमरावती में हिंदुओं की हत्या करने की कायरतापूर्ण कार्रवाई की गई जिसके विरोध में आज एकजुट हुए हिंदू संगठनों द्वारा संकल्प मार्च का कार्यक्रम रखा गया था। विहिप और बजरंग दल के आह्वान पर किए गए इस संकल्प मार्च में आज जहां लाखों लोगों की भीड़ सड़कों पर दिखी वहीं साधु संतों ने बड़ी संख्या में इसमें शिरकत की। इस संकल्प मार्च में आम लोगों की बड़ी संख्या में भागीदारी देखी गई।

हाथों में राष्ट्रीय ध्वज व भगवा झंडे लेकर दिल्ली की सड़कों पर उमड़ी भीड़ ने आज हिंदुओं की एकता का तो संदेश

दिया ही साथ ही उन्होंने उन राष्ट्र विरोधी तथा समाज विरोधी ताकतों को जो इन दिनों लोगों को गला रेतने की धमकियां दे रहे हैं, को भी यह संदेश दिया है कि

❑कट्टरपंथियों को दिखायी हिंदू संगठनों ने एकजुटता की ताकत
❑संकल्पः शरिया से नहीं संविधान से चलेगा भारत देश

उनकी कायराना हरकतों से हिंदू डरने वाले नहीं हैं तथा उनके कुकृत्य के खिलाफ वह करारा जवाब देने के लिए एकजुट है। उनका साफ कहना है कि कट्टरपंथियों को यह समझ लेना चाहिए कि यह देश शरिया कानूनों से नहीं भारतीय संविधान के अनुसार चलेगा। उनका कहना है कि ऐसे अराजक तत्वों को सजा देने के लिए शासन-प्रशासन और कानून तो अपना काम करेगा ही लेकिन अगर वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आए तो हिंदू भी चुप बैठने वाले नहीं हैं। इसके लिए पीड़ितों के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है पुलिस के असहयोग या धमकी मिलने की स्थिति में इन हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है। इन हिंदू संगठनों द्वारा पीड़ितों की मदद की जाएगी।

मंडी हाउस से जंतर-मंतर तक निकाले गए इस संकल्प मार्च में महिला और युवाओं की बड़ी सहभागिता रही। प्रदर्शन के दौरान लोगों में देश में तालिबानी हुकूमत की बात करने वालों के खिलाफ भारी आक्रोश देखा गया। उनका कहना है कि देश के लोग इस तरह की घटनाओं को कतई भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। देश की एकता और अखंडता को चुनौती देने वाली ताकतों से सख्ती से निपटा जाएगा। हालांकि यह संकल्प मार्च पूर्णतया गैर राजनीतिक था तथा किसी भी दल के नेता को मंच पर स्थान नहीं दिया गया लेकिन भाजपा नेताओं द्वारा इस संकल्प मार्च को समर्थन देने की बात कही गई है।

कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन की तैयारियां दुरस्त

विशेष संवाददाता

हरिद्वार। चार धाम यात्रा की तरह ही कावड़ यात्रा में उमड़ने वाली कांवड़ियों की भीड़ को नियंत्रित करने की चुनौती के मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने अपनी तैयारियों को पुख्ता करने और परखने का काम शुरू कर दिया है।

कोरोना के कारण बीते 2 सालों से स्थगित रही कावड़ यात्रा 14 जुलाई से शुरू होने जा रही है। 26 जुलाई तक चलने वाली इस कावड़ यात्रा में इस बार रिकॉर्ड कावड़ियों के आने की संभावना है एक अनुमान के अनुसार इस बार कावड़ यात्रा में 30 लाख से अधिक संख्या में कांवड़िए हरिद्वार जल लेने आ सकते हैं। कांवड़ मेले में उमड़ने वाली इस भारी भीड़ को नियंत्रण करना निश्चित ही पुलिस प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती पूर्ण कार्य रहने वाला है। शासन से लेकर हरिद्वार जिला प्रशासन तक के बड़े अधिकारी इसकी तैयारियों में जुटे हैं यह कावड़ यात्रा सुरक्षित तरीके से संपन्न हो सके इसके लिए पूरी कार्ययोजना तैयार की गई तथा भारी संख्या में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई

❑हुड़दंगियों से सख्ती से निपटा जाएगा

है। पूरे मेला क्षेत्र को 12 सुपर जोन और 32 जोन तथा 34 सेक्टरों में बांटा गया है।

कावड़ियों के आवागमन के लिए रूट प्लान तैयार किया गया है। इन तमाम रूट की प्रवेश चौकियों पर पुलिस प्रशासन की सबसे अधिक चौकसी रखी जाएगी। अवांछनीय तत्वों को कावड़ यात्रा में घुसने से रोकने के लिए सघन चेकिंग की व्यवस्था की गई तथा अराजक तत्वों की गतिविधियों पर सीसीटीवी कैमरों से नजर रखी जाएगी। इसकी व्यवस्था पुलिस प्रशासन द्वारा कर ली गई है।

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

अमरनाथ में बादल फटने से अब तक 13 लोगों की मौत, कई लापता

जम्मू। जम्मू– कश्मीर में अमरनाथ गुफा के पास शुक्रवार शाम बादल फटने की घटना में अब तक १३ लोगों की जान जा चुकी है। साथ ही अभी भी कई लोग लापता बताए जा रहे हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है और लापता लोगों की तलाश की जा रही है। एक अधिकारी के मुताबिक, करीब ४० लोग अभी भी लापता हैं और पांच को बचा लिया गया है।

पुलिस और एनडीआरएफ अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण कश्मीर में स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा के पास भारी बारिश के बीच शनिवार शाम करीब साढ़े पांच बजे बादल फटा था। उसके बाद पहाड़ की ढलानों से पानी और गाद की मोटी धारा घाटी की ओर बहने लगी। इसकी चपेट में आकर गुफा के बाहर आधार शिविर में बने २५ टेंट और तीन सामुदायिक रसोईघर नष्ट हो गए। उसके बाद सेना, बीएसएफ, आईटीबीपी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, जम्मू–कश्मीर प्रशासन के अलावा अन्य अधिकारियो को बचाव अभियान में लगाया गया। जम्मू कश्मीर प्रशासन ने बचाव अभियान के लिए उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर भी लगाये हैं। सेना की तरफ से बताया गया कि राहत और बचाव कार्यों में ६ टीमें जुटी हुई हैं। खोजी डॉग स्क्वॉड की दो टीमें भी रेस्क्यू मिशन में लगाई गई हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा खुद पल पल की जानकारी ले रहे हैं।

पिछले 24 घंटो में कोविड-19 के आए 18,840 नए मामले, 43 मरीजों की मौत

नई दिल्ली । भारत में एक दिन में कोविड–१६ के १८,८४० नए मामले आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर ४,३६,०४,३६४ हो गई जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर १,२५,०२८ हो गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, ४३ और मरीजों की मृत्यु होने से मृतकों की संख्या बढ़कर ५,२५,३८६ हो गयी है।

उपचाराधीन मरीजों की संख्या में एक दिन में २,६६३ मामलों की वृद्धि दर्ज की गयी है, जो संक्रमण के कुल मामलों का ०.२६ प्रतिशत है जबकि कोविड–१६ से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर ६८.५१ फीसदी है।

आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण की दैनिक दर ४.१४ प्रतिशत दर्ज की गयी जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर ४.०६ प्रतिशत है। इस बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर ४,२६,५३,६८० हो गयी जबकि मृत्यु दर १.२० प्रतिशत है। देशव्यापी कोविड–१६ रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक १६८.६५ करोड़ खुराकें दी जा चुकी है। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त २०२० को संक्रमितों की संख्या २० लाख, २३ अगस्त २०२० को ३० लाख और पांच सितंबर २०२० को ४० लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले १६ सितंबर २०२० को ५० लाख, २८ सितंबर २०२० को ६० लाख, ११ अक्टूबर २०२० को ७० लाख, २६ अक्टूबर २०२० को ८० लाख और २० नवंबर को ९० लाख के पार चले गए थे।

देश में १६ दिसंबर २०२० को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और २३ जून २०२१ को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल २५ जनवरी को मामले चार करोड़ के पार चले गए थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

मानसूनी आपदा की चुनौती

पर्वतीय राज्यों के लिए मानसून काल आपदाओं के लिहाज से हमेशा ही एक बड़ी चुनौती रहा है। तमाम राहतों के साथ बड़ी-बड़ी चुनौतियां अपने साथ लेकर आने वाले मानसून से पहाड़ वासियों की दुश्वारियां और अधिक बढ़ जाती हैं। तथा उन्हें भारी जानमाल का नुकसान होता है। यूं तो पहाड़ का जीवन पहाड़ जैसी समस्याओं से भरा रहता है लेकिन मानसून काल में उनकी मुश्किलें कुछ ज्यादा ही गंभीर हो जाती हैं। पहाड़ पर बादल फटने और अतिवृष्टि के कारण पहाड़ों के दरकने की घटनाएं आम बात है। बीते कल अमरनाथ की गुफा के पास बादल फटने से 13 यात्रियों की मौत हो गई तथा 35 लोग लापता हो गए। मृतकों और लापता लोगों की यह संख्या इससे अधिक भी हो सकती है क्योंकि यह सिर्फ सरकारी आंकड़े हैं। उत्तराखंड में अभी मानसून को आये सिर्फ एक सप्ताह का समय हुआ है लेकिन शुरुआती दौर की बारिश ने पूरे राज्य के जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। राज्य की ढाई सौ से अधिक सड़कें किसी न किसी कारण से बंद हो गई हैं। कहीं पहाड़ दरकने से मलवा आया हुआ है तो कहीं अतिवृष्टि के कारण सड़कें बह गई है। अब तक एक दर्जन भर छोटे बड़े पुल या पुलिया टूट गए हैं जिसके कारण आवागमन ठप हो चुका है। राज्य की तमाम नदियां और नाले-खाले इस समय उफान पर हैं और अपने तटीय क्षेत्रों के लिए खतरा बने हुए हैं। बीते कल रामनगर में एक कार के नाले में गिर जाने से 9 लोगों (पर्यटकों) की जान चली गई। उत्तराखंड में मानसूनी मुश्किलों को इस तरह भी समझा जा सकता है कि जिस चार धाम यात्रा के लिए पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ रही थी वहां अब धामों में सन्नाटा पसरता जा रहा है। होटलों और पर्यटक आवासों में जहां सौ फीसदी बुकिंग थी वहां अब महज 20 फीसदी बुकिंग ही रह गई है। 80 फीसदी खाली पड़े हैं। पर्यटन की रफ्तार पर मानसून ने ब्रेक लगा दिया है। चार धाम यात्रा मार्गों पर जगह-जगह मलबा आने से मार्ग बंद हो रहे हैं। यात्रा सीजन के ठंडा पड़ने से अब व्यवसाई भी हतोत्साहित हो रहे हैं। मानसून काल में यात्रा बाधित होने के कारण सबसे अधिक प्रभाव जरूरी सामान की आपूर्ति पर पड़ता है लोगों तक जीने के लिए जरूरी सामान भी नहीं पहुंच पाता है उत्तराखंड के सैकड़ों गांव ऐसे हैं जिनका अपने जिला मुख्यालयों तक से संपर्क कटा हुआ है। ऐसी स्थिति में अगर क्षेत्र में कहीं बादल फटने या अन्य कोई आपदा जैसे हालात पैदा होते हैं तो पीड़ितों तक मदद पहुंचाना भी मुश्किल हो जाता है या फिर आपदा प्रबंधन कार्य में जुटी टीमों को उन तक पहुंचने में इतना अधिक समय लग जाता है कि मदद महज औपचारिकता बनकर ही रह जाती है भले ही किसी आपात स्थिति से निपटने के लिए एनडीआरएफ और सेना से लेकर स्थानीय प्रशासन तक की लंबी कतारें रही हो लेकिन फिर भी आपदा प्रबंधन उतना चुस्त-दुरुस्त नहीं है जो लोगों को उनकी जान-माल की सुरक्षा की गारंटी बन सके। ऐसे आपदा प्रबंधन में जुटे लोग मलबे में सिर्फ लाशों को ही तलाशते रह जाते हैं। जो एक दुखद स्थिति है। 2013 की केदारनाथ त्रासदी इसका एक उदाहरण है आपदा प्रबंधन तंत्र पर अभी बहुत काम करने की जरूरत है जिससे पहाड़ों को आपदा में अधिक राहत मिल सके।

बढ़ती आर्थिक विषमता एक बृहद सामाजिक चुनौती

स्नेहा यादव

वर्तमान समय में विश्व के संपूर्ण देश अपने आप को लोक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा से रूबरू कराते हैं। सभी राज्यों का मानना है कि वह अपने नागरिकों के लिए सर्व सुलभ संरचनात्मक व्यवस्था के संचालन हेतु भरकस प्रयास करता रहता है परंतु संसाधनों के उचित वितरण प्रणाली के ना होने पर किसी भी देश में गहन लोक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा स्पष्ट नहीं होती है। इसके लिए आर्थिक विषमता, गरीबी भूखमरी और अशिक्षा से निदान पाना अत्यंत आवश्यक हो जाता है क्योंकि इन सभी सामाजिक विषमताओं के चलते किसी भी समाज की उन्नति नहीं होती है यही कारण है कि भारत जैसे सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश में लोकतंत्र की प्रगति और उन्नति तो हो रही है परंतु यहां आर्थिक विषमता और गरीबी तथा भुखमरी जैसे आयामों में भी उन्नतोदर वृद्धि हो रही है जिससे आर्थिक लोकतंत्र की अवधारणा से हम उतने ही पीछे जा रहे हैं जितना ही इन सभी गतिविधियों में प्रगति हो रही है। इन सभी कारणों का एक अन्य कारण ही है वह है भारत में व्यापक बेरोजगारी बेरोजगारी के कारण आर्थिक विषमता की अवधारणा संकल्पित नहीं हो पाती है क्योंकि जब तक व्यक्तियों के पास काम नहीं होगा तब तक उनके किसी भी प्रकार के आय में वृद्धि नहीं होती और जब तक उनके आय में वृद्धि नहीं होती है तब तक उनके परिवार में संपन्नता नहीं आती है और वह घर और परिवार में बुनियादी समस्याओं से ही जूझते रहते हैं और अपने अवसरों की तलाश नहीं कर पाते हैं। जिससे उनका विकास रुक जाता है संयुक्त राष्ट्र संघ ने 2015 में सतत विकास प्रक्रिया की अवधारणा को स्पष्ट

करते हुए यह लक्ष्य रखा कि 2030 तक इनको हासिल कर लिया जाना चाहिए इसमें आर्थिक विषमता को मिटाने हेतु विभिन्न प्रकार के आधारभूत स्तंभों को भी स्पष्ट किया गया है परंतु इन सतत विकास के लक्ष्यों में भारत 115 स्थान पर था यदि विभिन्न जानकारियों और रिपोर्ट की बात माने तो भारत अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के मुताबिक 2020 में इसकी बेरोजगारी दर 7.11 किस दिन तक पहुंच गई है यह अन्य कई देशों से और अन्य कई वर्षों से सर्वोच्च स्तर पर है।

इसका एक कारण यह भी बताया जाता है कि कोरोना महामारी के दौरान बहुत से लोग घर छोड़कर पलायन हुए थे जिससे इन सभी आयामों में वृद्धि हुई है। परंतु इन आयामों में वृद्धि होने के साथ-साथ भारत के नागरिकों का रहन-सहन का स्तर अत्यंत नीचे जा रहा है जिसमें खाद्य और कृषि रिपोर्ट 2018 की बात करें तो भारत दुनिया के 821 कुपोषित लोगों में से 195. 9 मिलियन लोग रहते हैं। यह दुनिया के भूखे लोगों का लगभग 24 फ़ीसदी है भारत में अल्प पोषित लोगों की संख्या अन्य एशियाई देशों से भी अधिक है हाल ही में प्रकाशित आप होम की रिपोर्ट यह दर्शाती है कि भारत में पूंजीपति और संपन्न होते जा रहे हैं जिससे समाज में असमानता बढ़ रही है। विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 में यह बताया गया है कि दुनिया के सबसे गरीब आधी आबादी के पास मुश्किल से 2त्न संपत्ति है जबकि दुनिया के सबसे अमीर 10त्न आबादी के पास कुल संपत्ति का 76त्न हिस्सा है यह किसी भी देश के आर्थिक लोकतंत्र की अवधारणा को स्पष्ट करने के लिए अत्यंत व्यापक है। भारत में लोक कल्याणकारी राज्य की प्रगति के लिए और आर्थिक लोकतंत्र की अवधारणा को उन्नति शील बनाने के लिए अनेक प्रकार की योजनाएं भारत सरकार एवं राज्य सरकारों के द्वारा क्रियान्वित की जा रही हैं परंतु इस असमानता और विषमता को गति देने वाले दूषित आधार जैसे भ्रष्टाचार, कर चोरी, मजदूरों को पैसा ना मिलना और अन्य प्रकार की गतिविधियों को कम करने की आवश्यकता है क्योंकि जब तक आर्थिक विषमता समाज से नहीं मिटेगी तब तक आर्थिक लोकतंत्र की अवधारणा सफल नहीं हो सकेगी और जब तक आर्थिक लोकतंत्र की अवधारणा सफल नहीं हो सकेगी तब तक लोक कल्याणकारी राज्य प्रगतिशीलता स्थापित नहीं कर सकेगा।

(लेखिका रिसर्च स्कॉलर केंद्रीय विश्वविद्यालय अमरकंटक हैं)

श्रीलंका की लाचारी

श्रीलंका की स्थिति कहीं ज्यादा गंभीर है। समस्या सिर्फ यह नहीं है कि यहां जरूरी चीजों का अभाव है। बल्कि असल बात है कि देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने पिछले दिनों अपनी लाचारी जताई। मुमकिन है कि यह उनका सियासी दांव हो, लेकिन उनके बयान ने देश को और भयभीत कर दिया है। विक्रिमसिंघे ने कहा कि श्रीलंका की स्थिति उससे कहीं ज्यादा गंभीर है, जितना आम तौर पर दुनिया को मालूम हो सका है। उनके मुताबिक श्रीलंका में समस्या सिर्फ यह नहीं है कि यहां जरूरी चीजों का अभाव है। बल्कि असल बात है कि देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। विक्रमसिंघे को प्रधानमंत्री बने सवा महीना गुजर चुका है। जाहिर है, देश के बेसब्र लोग उनसे जवाब मांग रहे हैं। तो ये जवाब उन्होंन इस रूप में दिया। उन्होंने रणनीति अपनाई कि अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय लोगों की अपेक्षाएं गिरा दी जाएं, , ताकि दिक्कतों को दूर कर पाने की उनकी नाकामी पर लोग सवाल खड़े ना करें। हकीकत यही है कि बीते सवा महीने में भी स्थिति में तनिक भी सुधार नहीं हुआ है। दरअसल, आर्थिक संकट का खराब असर अब मध्य वर्ग पर भी दिखने लगा है। गरीब तबकों के भुखमरी का शिकार होने की खबरें पहले से आ रही थीं। अब आंच मध्य वर्ग तक पहुंच गई है। खुद श्रीलंका के विशेषज्ञों ने कहा है कि मध्य वर्ग को इस समय ऐसा धक्का लगा है,

जैसा पिछले तीन दशक में कभी नहीं हुआ। विशेषज्ञों के मुताबिक श्रीलंका की दो करोड़ 20 लाख आबादी का 15 से 20 फीसदी हिस्सा मध्य वर्ग में शामिल माना जाता है। अभी हाल तक इस तबके की जिंदगी आराम से कट रही थी। लेकिन अब उसे इस बात की भी चिंता करनी पड़ रही है कि रोज तीन बार भोजन का कैसे इंतजाम किया जाए। अगर मध्य वर्ग को इस तरह संघर्ष करना पड़ रहा है, तो कल्पना की जा सकती है कि कमजोर तबकों की हालत कितनी खराब होगी। गौरतलब है कि सरकारी आंकड़ों के मुताबिक देश में खाद्य पदार्थों की महंगाई की दर 57 फीसदी तक पहुंच चुकी है। जरूरी चीजों का देश में अभाव है। खास कर पेट्रोलियम की कमी से सारी अर्थव्यवस्था अस्त-व्यस्त है। और इसके बीच प्रधानमंत्री खुद को लाचार बता रहे हैं। तो देश में लाचारी का कैसा भाव बना होगा, समझा जा सकता है। (आरएनएस)

सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर ठगे डेढ लाख रूपये

संवाददाता

देहरादून। सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर डेढ लाख रूपये ठगने के मामले में एक के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तराखण्ड राज्य योजना आयोग के सलाहकार गिरिश घुगटियाल ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आदर्श ग्राम निवासी मोहित डंगवाल के द्वारा कई लोगों से सरकारी नौकरी लगवाने के पर रूपये हडपे हैं तथा उसकी चचेरी बहन निर्मला राठोर से भी सरकारी नौकरी के नाम पर डेढ लाख रूपये लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीएम धामी ने अमरनाथ यात्रा मार्ग पर हुई दुर्घटना पर दुःख जताया

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अमरनाथ यात्रा मार्ग पर हुई दुर्घटना में दुःख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति की ईश्वर से कामना की। उन्होंने मृतकों के परिजनों को दुःख की इस घड़ी में शक्ति प्रदान करने की भी कामना की।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि अमरनाथ में फंसे लोगों को सुरक्षित निकलने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रभावितों को हर संभव मदद दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने रक्षा मंत्री मंत्री श्री राजनाथ सिंह से फोन पर वार्ता कर प्रभावित क्षेत्र में प्रभावितों को हर संभव मदद पहुंचाने का अनुरोध किया।

महाँ उतासि यस्य तेऽनु स्वधावरी सहः।
मम्नाते इन्द्र रोदसी।।

(ऋग्वेद ७–३१–७)

हे इंद्र ! तुम सबसे महान हो, तुम सबसे बलशाली हो। तुम्हारी इस महानता को विशाल आकाश और उर्वरक पृथ्वी भी मानते हैं।

O Indra ! You are the greatest, You are the most powerful. This greatness of yours is also acknowledged by the vast sky and the fertile earth. (Rig Veda 7-31-7)

विधायक चुफाल ने घसाड़ में नव निर्मित हाईस्कूल भवन का किया लोकार्पण

कार्यालय संवाददाता

बेरीनाग। डीडीहाट के विधायक बिशन सिंह चुफाल ने राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घसाड़ के एक करोड़ १८ लाख की लागत से बने नव निर्मित हाईस्कूल भवन का आज जनप्रतिनिधियों,विद्यालय के छात्र छात्राओं व शिक्षकों की उपस्थिति में विद्या की देवी मां सरस्वती पूजन के पूजन के साथ लोकार्पण किया। छात्राओं ने मुख्य अतिथि विधायक बिशन सिंह चुफाल के स्वागत में स्वागत गीत पेश किया। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य शंकर कोहली ने विधायक के सम्मुख स्कूल की समस्याएं रखी। अपने संबोधन में बोलते हुवे विधायक चुफाल ने विद्यालय में बालिकाओं के लिए अलग से शौचालय बनाने,स्थाई प्रधानाचार्य और गणित विषय के अध्यापक की शीघ्र नियुक्ति का आश्वासन दिया।उन्होंने जीवन में सफल होने के लिए छात्र छात्राओं को अनुशासन और लगन से ही सफलता हासिल करने का बात बताई।इस मौके पर पूर्व ब्लाक प्रमुख हरेंद्र चुफाल,सामाजिक कार्यकर्ता भगवान सिंह देऊपा,सामाजिक कार्यकर्ता जीवन बोरा,भाजपा मंडल अध्यक्ष कमल कन्याल,युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष सुनील सत्याल,युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष कुंदन बोरा,क्षेत्र पंचायत सदस्य सूरज रावत,रमेश बम,दीपक कार्की,शिक्षक नीरज पाल,चंद्र सिंह बिष्ट थे।मंच संचालन विधायल के शिक्षक हेमचंद्र बेलवाल थे।इसके बाद विधायक चुफाल ने डिगोटी,घसाड़,चोपड़ा,सिमार और मुवानी के गांव में जाकर ग्रामीणों की समस्या सुन कर उसका निस्तारण किया।

स्मैक के साथ दो गिरफ्तार

देहरादून (संवाददाता)। पुलिस ने स्मैक के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने 72 सीढी के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से चार ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम राजेश पुत्र श्यामलाला निवासी शिवाजी नगर बताया। वहीं सहसपुर थाना पुलिस ने चैकिंग के दौरान धर्मावाला सहारनपुर रोड पर पीर की मजार के पास एक मोटरसाईकिल सवार को रूकने का इशारा किया तो वह मोटरसाईकिल को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से साढे पांच ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम कौसर पुत्र सुलेमान निवासी मिर्जापुर सहारनपुर बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

सांसद ने आदर्श ग्राम योजना के लिए जिलाधिकारियों को दिये निर्देश

देहरादून (संवाददाता)। सांसद रमेश पोखरियाल निशंक ने चयनित चार ग्रामों को आदर्श ग्राम योनजा से लाभान्वित करने के लिए जिलाधिकारी देहरादून व हरिद्वार को निर्देशित किया। आज यहां सांसद हरिद्वार रमेश पोखरियाल निशंक द्वारा सांसद आदर्श ग्राम योजना के द्वितीय चरण (2019-2024) के लिए अपने संसदीय क्षेत्र के चार गांवों का चयन किया है। सांसद ने चयनित ग्रामों की सूची प्रेषित करते हुए जिलाधिकारी देहरादून व हरिद्वार को चयनित ग्राम पंचायतों को सांसद आदर्श ग्राम योजना से लाभान्वित किए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं। सांसद द्वारा चयनित चार ग्रामों में ग्राम पंचायत मारखम ग्रांट विधानसभा डोईवाला, ग्राम पंचायत खदरी खडक माफी विधानसभा ऋषिकेश, ग्राम पंचायत दौलतपुर विधानसभा कलियर व ग्राम पंचायत औरंगाबाद विधानसभा रानीपुर शामिल हैं।

जमीन पर कब्जे को लेकर नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

देहरादून (संवाददाता)। सम्पत्ति को कब्जाने व गेट तोडने के मामले में नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार इन्द्र रोड निवासी अंकित गुप्ता ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने व उसकी बहन कुआयुषी गुप्ता ने मैसर्स डायना यूरो कैम प्रा.लि. नई दिल्ली के अधिकृत प्रतिनिधि मन्दीप सन्धु से 1003 वर्गमीटर भूमि गुनियालगांव में क्रय की जिसके सम्बन्ध में मन्दीप सन्धु द्वारा स्थल पर स्वयं व उनके साथ फोटो खिंचवाकर स्थल का कब्जा प्रदान किया और उसके द्वारा पूर्व में ही स्थल पर फैन्सिंग व गेट लगाकर काबिज रहा। वर्तमान में कम्पनी के गार्ड रमेश राजदान, वी एस नेगी, बलवान सिंह एवं उक्त कंपनी के कुछ अन्य प्रतिनिधि राजा संजय कन्नौजिया अभिषेक जैन, असवाल विकास सबरवाल आदि के द्वारा उसकी भूमि एवं फैन्सिंग व गेट को छोड़कर बाकी सम्पूर्ण भूमि की मिट्टी लगभग 12 से 14 फीट काटकर चारों तरफ की मिट्टी सपाट कर दी और उसकी भूमि पर कब्जा कर रहे हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बेरीनाग में बिना भूमि के मालिकाना हक के भवन कर देने से किया इंनकार

कार्यालय संवाददाता

बेरीनाग। नगर पंचायत बेरीनाग के द्वारा सार्वजनिक सूचना के माध्यम से नगर के लोगों से भवन कर लेने जानकारी मिलते ही लोगों में आक्रोश फैल गया है वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व प्रधान संगठन के अध्यक्ष महेश पंत ने नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर आपत्ति दर्ज की है और बताया कनगरपालिका अधिनियम १९१६ की विभिन्न धाराओं के अन्तर्गत सम्पत्ति पर बताया बेरीनाग निवासियों को जब तक भूमि का मालिकाना हक नहीं दिया जाता है, तब तक भवन स्वामी से भवन कर का कोई औचित्य नहीं है या तो सरकार द्वारा इन्हें श्रेणी १ (क) संक्रमणीय भूमिधर घोषित किया जाय या भूमि पर कब्जाधारी घोषित किया जाय। अन्यथा दोनों ही स्थितियों तक बेरीनाग वासियों से भवन कर नही दिया जायेगा। भवनों का कर निर्धारण मासिक दर से वर्ग फिट के अनुसार बहुतअधिक है इसमें संशोधन कर उचित रुप से निर्धारण किया जाय। और नगर पंचायत की ओर से आज तक किसी प्रकार की व्यवस्था प्रदान नहीं की गई है सिर्फ कर निर्धारण को ही लक्ष्य बनाया जा रहा है। समय–समय पर यूजर चार्जेज, स्वच्छता कर दुकानों का वार्षिक लाइसेंस कर लेकर आम जनता को परेशान करने का ही कार्य किया जा रहा है। और भवनों के अलावा कुछ व्यक्तियों के खेत एवं बगीचे बने हुये हैं इस अधिनियम में कोई छूट प्रदान नहीं की गई है।और कर निर्धारण से पूर्व भवन एवं भूमि का मूल्यांकन किया जाना चाहिये था तब कर निर्धारण किया जाता उसके बाद भी करदाता को आपत्ति करने का अधिकार रहता।और बताया की मुख्य सड़क से ५० फीट तक रोड साईड लैण्ड कन्ट्रोल एक्ट लागू होता है। क्या उन भवनों में भी नगर पंचायत द्वारा भवन कर का निर्धारण किया जा सकता है? यह नगर सबसे बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है नगर पंचायत द्वारा नगर में बिना कोई सुविधा दिये गये कर थोपा जा रहा है जो कि अनुचित है। कर निर्धारण सूचना से पूर्व क्षेत्र की जनता से मीटिंग कर राय मशविरा लेना चाहिये था जो नहीं किया गया और नगर पंचायत द्वारा विगत ४ वर्षों से एक बार भी आम बैठक का आयोजन नहीं किया गया है। ना तो वार्ड में खुली बैठक होती है ना ही नगर पंचायत कार्यालय में कभी आम बैठक का आयोजन किया गया। कोई भी कर बिना जनता की सहमति या रायशुमारी / चर्चा किये बिना लागू कर दिया जा रहा है। इससे नगर पंचायत का तानाशाही रवैया व इकतरफा फ़ैसलों से जनता को पीडित होना पड रहा है। नगर पंचायत द्वारा लोकतंत्र का मखौल उडाया जा रहा है। बोर्ड बैठक कर अपने दायित्व की इतिश्री कर ली जाती है भाजपा नेता महेश पंत आरोप लगाया कि हंगामे की भेंट चढी नगर पंचायत बोर्ड बैठक। जिसके चलते विकास कार्य तक नहीं हो पाते हैं।और नगर पंचायतों के निर्माण के समय सरकार द्वारा तय किया गया था कि नई नगर इकाइयों में किसी प्रकार का कर आगामी १० वर्षों तक नहीं लिया जायेगा जबकि वर्तमान समय तक हमारी नगर पंचायत को सृजित हुये ७–८ वर्ष ही हुये है। इस प्रकार नगर पंचायत द्वारा विज्ञप्ति जारी कर भवन कर का निर्धारण किया जाना अव्यवहारिक है तथा तत्कालीन सरकार द्वारा तय नियमों का उल्लंघन है।और नगर पंचायत के विभिन्न वार्डो में बहुसंख्यक गरीब आबादी निवास करती है जिसको किसी किस्म की सुविधा का लाभ नहीं दिया जाता है। रास्ते, नाले एवं खडचे आदि का निर्माण तक नहीं किया गया है। भवन कर लगा कर जनता को भुखमरी के कगार पर धकेलने का प्रयास किया जा रहा है। सभी वार्डों में लगभग ५० प्रतिशत से अधिक आबादी अनुसूचित जाति की भी है।और कोरोना काल से व्यापारियों की आर्थिक स्थिति बेहद ही दयनीय हो चुकी है। नगर पंचायत द्वारा दुकानों में, ४ (क) की उपधारा के तहत कहीं चार गुना, कहीं पांच गुना कर तय कर दिया गया है जिसे दे पाना किसी भी व्यापारी के लिये संभव नहीं है। नगर पंचायत का यह प्रयास व्यापारियों को कर्ज व बेरोजगारी के मुंह में धकेलने समान है। किसी भी हालत में भवन कर सहित अन्य कर नही दिया जायेगा। ज्ञापन में वरिष्ठ अधिवक्ता भूपाल सिंह बोहरा, वकील माधव सिंह धामी, पूर्व व्यापार संघ अध्यक्ष देब सिंह गैडा, नामित सभासद मनीष पंत, व्यापारी नेता इंद्र धानिक, जीवन सहित आदि मौजूद थे।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर थाना पुलिस ने रांझावाला के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से एक पेटी शराब बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम नीतीश कुमार पुत्र रमेश निवासी अपर तुनवाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

नाबालिग से छेडछाड में कलयुगी पिता गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। नाबलिग पुत्री के साथ छेडछाड कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने कलयुगी पिता को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर निवासी व्यक्ति ने रायपुर पुलिस को बताया कि उनके पडोस में रहने वाला दिनेश कुमार उसकी नाबालिग बेटी को बहला फुसलाकर भगा ले गया है। पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी तभी एक किशोरी रायपुर थाने में पहुंची और उसने बताया कि उसके पिता ने दिनेश के खिलाफ झूठा आरोप लगाया है।

उसने बताया कि उसके पिता उसके साथ गलत हरकतें करते है तथा छेडखानी करते वह जब विरोध करती है तो उसके साथ मारपीट करते है। अपने पिता की गलत हरकतों से परेशान होकर वह बिहार जा रही थी जिसमें दिनेश ने उसकी मदद की थी। लेकिन जब उसको पता चला कि उसके पिता ने दिनेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है तो वह स्वंय थाने आ गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है।

सरकार ने मॉनसून की तैयारियां ठीक से नहीं कीः बिष्ट

संवाददाता

देहरादून। आम आदमी पार्टी के प्रदेश संगठन समन्वयक जोत सिंह बिष्ट ने कहा कि कांवड यात्रा से पहले सरकार ने मानसून की तैयारियां ठीक से नहीं की है।

आज यहां आम आदमी पार्टी के प्रदेश संगठन समन्वयक जोत सिंह बिष्ट ने कहा कि कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले ही जिस तरीके से मॉनसून में बीते दिनों कुछ घटनाओं में लोगों ने जान गवाई है ,इससे लगता है कि सरकार ने मॉनसून की तैयारियां ठीक से नहीं की। चार धाम यात्रा को लेकर जोत सिंह बिष्ट ने कहा कि यात्रा शुरू होने के 1 महीने के भीतर सरकार की अव्यवस्थाओं के कारण 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई इसकी जिम्मेदार भी सरकार की है। अगर स्वास्थ्य के बेहतर इंतजाम होते तो इतनी मौतें ना होती। उन्होंने आगे कहा कि 14 जुलाई से कावड़ यात्रा शुरू हो रही है और 2 साल कोरोना की वजह से कावड़ यात्रा बंद थी और इस साल यात्रियों की तादाद बहुत ज्यादा होगी जो हरिद्वार, देहरादून ,उत्तरकाशी ,पौड़ी और टिहरी जिलों में आएंगे। उन्होने कहा कि इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार को अभी से सारी तैयारियां पूर्ण कर लेनी चाहिए। पुलिस द्वारा हरिद्वार से लेकर उत्तरकाशी तक बेहतर ट्रैफिक प्लान तैयार करना चाहिए ,क्योंकि अक्सर कई ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं जिसमें व्यवस्थाएं दुरुस्त न होने के चलते कई बार कावड़िए और स्थानीय लोगों का टकराव हो चुका है। उन्होंने आगे कहा कि उत्तराखंड आने वाले कावड़ यात्रियों के लिए सरकार को कावड़ मार्गों पर खाने-पीने ,रुकने ,शौचालय और पीने के पानी समेत भंडारे की उचित व्यवस्था करनी चाहिए। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा भले ही जिलाधिकारियों के साथ बैठक कर कांवड यात्रा के लिए बजट जारी कर दिया हो ,लेकिन मॉनिटरिंग कमजोर होने के कारण खामियां अब भी नजर आ रही हैं। उन्होने प्रदेश में आने वाले सभी कावड़ यात्रियों का स्वागत करते हुए कहा कि ,आम आदमी पार्टी सरकार का हर रूप में सहयोग करने को तैयार है ,लेकिन सरकार अगर सुनेगी नहीं तो आम आदमी पार्टी इसी तरीके से अपनी आवाज उठाती रहेगी।

अमेरिका में गर्भपात पर हंगामा

वेद प्रताप वैदिक

अमेरिका में इधर दो बड़े फैसलों ने हड़कंप मचा रखा है। एक तो बंदूक रखने पर कुछ नई पाबंदियों के कारण और दूसरा गर्भपात पर प्रतिबंध के कारण। अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय के इन दोनों फैसलों को लेकर वहां कई प्रांतों में प्रदर्शन हो रहे हैं और उनका डटकर विरोध या समर्थन हो रहा है। बंदूक पर प्रतिबंधों का उतना विरोध नहीं हो रहा है, जितना गर्भपात पर प्रतिबंध का हो रहा है।

1973 में गर्भपात की अनुमति का जो फैसला अमेरिका सर्वोच्च न्यायालय ने दिया था, उसे सर्वोच्च न्यायालय ने उलट दिया है। 6 और 3 जजों की इस फैसले के पीछे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नियुक्त रूढ़िवादी जजों का बहुमत में होना है। अब अमेरिका में जो भी राज्य रूढ़िवादी या रिपब्लिकन या ट्रंप-समर्थक हैं, वे इस कानून को तुरंत लागू कर देंगे।

इसका नतीजा यह होगा कि महिलाओं को अपने शरीर के बारे में ही कोई मौलिक अधिकार नहीं होगा। लगभग एक दर्जन राज्यों ने गर्भपात पर प्रतिबंध की घोषणा कर दी है। कोई भी महिला 15 हफ्तों से ज्यादा के गर्भ को नहीं गिरवा सकती है। अदालत के इस फैसले को राष्ट्रपति जो बाइडन ने तो भयंकर बताया ही है, सारे अमेरिका में इसके विरुद्ध विक्षोभ फैल गया है। यूरोपीय राष्ट्रों के प्रमुख नेताओं ने इस फैसले की कड़ी निंदा की है। अमेरिका की नामी-गिरामी कंपनियों ने उनके यहां कार्यरत महिलाओं से कहा है कि वे गर्भपात के लिए जब भी किसी अन्य अमेरिकी राज्य में जाना चाहें, उन्हें उसकी पूर्ण सुविधाएं दी जाएंगी।

अमेरिका के 13 राज्यों में गर्भपात की अनुमति आज भी है। अमेरिका में संघीय व्यवस्था है। इसीलिए उसके राज्य केंद्रीय कानून को मानने या न मानने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन अमेरिका के केथोलिक संप्रदाय के पादरी इस गर्भपात पर प्रतिबंध का स्वागत कर रहे हैं। वैसे भी आजकल यूरोप और अमेरिका में स्त्री-पुरुषों के बीच अवैध शारीरिक संबंधों का चलन इतना बढ़ गया है कि गर्भपात की सुविधा के बिना उनका जीना दूभर हो सकता है।

इसके अलावा गर्भपात की सुविधा की मांग इसलिए भी बढ़ गई है कि चोरी-छिपे गर्भपात करवाने पर गर्भवती महिलाओं की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक आंकड़े के अनुसार हर साल 2.5 करोड़ असुरक्षित गर्भपात होते हैं, जिनमें 37000 महिलाओं को अपनी जान से हाथ धोना पड़ता है।

अब गर्भपात पर प्रतिबंध लगने से इस संख्या में वृद्धि ही होगी। यूरोप के कई देश गर्भपात के अधिकार को कानूनी रूप देने के लिए तत्पर हो रहे हैं। भारत में 24 हफ्ते या उसके भी बाद के गर्भ को गिराने की कानूनी अनुमति है बशर्ते कि गर्भवती के स्वास्थ्य के लिए वह जरुरी हो। भारतीय कानून अधिक व्यावहारिक है।

तेल का खेल है

अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों ने उम्मीद की थी कि रूस पर उनके प्रतिबंध लगाने के बाद रूस के लिए तेल बेचना मुश्किल हो जाएगा। इससे उसकी अर्थव्यवस्था ढह जाएगी। लेकिन कई देशों ने इसे अपने लिए सस्ता तेल पाने का एक मौका बना लिया। यूक्रेन युद्ध को लेकर पश्चिमी देशों की रणनीति अगर कारगर नहीं हुई है, तो उसका बड़ा कारण रूस के पास मौजूद तेल की ताकत है। अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों ने उम्मीद की थी कि रूस पर उनके प्रतिबंध लगाने के बाद रूस के लिए तेल बेचना मुश्किल हो जाएगा। इससे उसकी अर्थव्यवस्था ढह जाएगी। लेकिन कई देशों ने इसे अपने लिए सस्ता तेल पाने का एक मौका बना लिया। उनमें प्रमुख चीन और भारत हैं। नतीजा यह हुआ कि जहां तेल और प्राकृतिक गैस की महंगाई से अमेरिका और यूरोप में हाहाकार मचा हुआ है, वहीं भारत और चीन अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में हैं। इससे रूस को सहारा मिला। रूसी अर्थव्यवस्था उस तरह नहीं ढही, जिसकी उम्मीद पश्चिमी देशों ने की थी। उलटे डॉलर की तुलना में रूस की मुद्रा की कीमत रुबल आज सात साल के सबसे ऊंचे स्तर पर है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक मई में चीन ने रूस से अपना तेल आयात और बढ़ा दिया। अब वह रूस का सबसे बड़ा तेल आयातक बन गया है। उधर सऊदी अरब को पीछे छोड़ते हुए रूस चीन का सबसे बड़ा तेल निर्यातक बन गया है। चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। पिछले महीने उसने रूस से 84.2 लाख टन तेल आयात किया। फरवरी 2021 की तुलना में यह 55 प्रतिशत ज्यादा है। मई में चीन ने सऊदी अरब से 78.2 लाख टन तेल खरीदा था। 24 फरवरी को रूस ने यूक्रेन में सैन्य कार्रवाई शुरू की थी। जिन देशों ने इस कार्रवाई के लिए रूस की आलोचना नहीं की है, उनमें भारत के अलावा चीन का भी नाम है। चीन ने संयुक्त राष्ट्र में कई प्रस्तावों पर रूस का साथ भी दिया है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों की स्थिति में उसके उत्पाद खरीद कर चीन ने रूस की आर्थिक मदद भी की है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

वजन कम करने में मदद करती है ग्रीन टी ?

जब बात फिटनेस और स्वास्थ्य की आती है तो ग्रीन टी का नाम लगभग हर किसी की जुबान पर आता है। इसका मुख्य कारण यह है कि इसमें बायोएक्टिव पदार्थों के साथ-साथ एंटी-ऑक्सीडेंट गुण मौजूद होते हैं, जो मेटाबॉलिज्म तेज करके शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने समेत कई तरह के स्वास्थ्य लाभ देने में सक्षम है। आइए आज हम आपको बताते हैं कि वजन घटाने में ग्रीन टी का सेवन कैसे मदद करता है।

वजन घटाने में काफी मदद कर सकती है ग्रीन टी

विशेषज्ञों ने बताया कि ग्रीन टी शरीर में ग्लूकोसिडेज, पैंक्रियाटिक लाइपेज और एमाइलेज जैसे एंजाइमों को रोकती है, जो आंतों में कार्बोहाइड्रेट और फैट के निर्माण के लिए जिम्मेदार होते हैं। ऐसे जटिल अणुओं को कम करके ग्लूकोज और फैटी एसिड जैसे सरल अणुओं का अवशोषण भी कम हो जाता है। वहीं, वजन घटाने के लिए ग्रीन टी की प्रभावकारिता भिन्न होती है और यह चर्चा का विषय है, लेकिन शरीर के लिए ग्रीन टी सबसे कम दुष्प्रभावी है।

मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देने में मददगार है ग्रीन टी

ग्रीन टी में जरूरी बायोएक्टिव पदार्थ जैसे कैफीन और कैटेचिन होते हैं, जो शरीर की मेटाबॉलिज्म दर को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। तेज मेटाबॉलिज्म दर शरीर की अधिक कैलोरी बर्न करके ऊर्जा को बढ़ाती है, जिस कारण वजन घटाने में मदद मिलती है। इसके अतिरिक्त, यह शरीर के ब्लड सर्कुलेशन में एंटी-ऑक्सीडेंट के स्तर को भी बढ़ाता है। अध्ययनों के अनुसार, ग्रीन टी के सेवन से रोजाना 75-100 कैलोरी बर्न की जा सकती है।

वर्कआउट से पहले करें ग्रीन टी का सेवन

कैलोरी को बर्न करने में ग्रीन टी काफी प्रभावी मानी जाती है, इसलिए आजकल विभिन्न वजन घटाने वाले सप्लीमेंट्स में ग्रीन टी का अर्क मौजूद होता है। हालांकि, इन सप्लीमेंट्स का सेवन बिना डॉक्टर की सलाह के करना गलत है। आप चाहें तो अपने शरीर की अतिरिक्त कैलोरी को तेजी से बर्न करने के लिए अपने रोजाना के वर्कआउट सेशन से पहले एक कप ग्रीन टी का सेवन कर सकते हैं।

भूख को सीमित और चीनी के सेवन को कम करने में है कारगर

अधिक मात्रा में चीनी का सेवन वजन को बढ़ाने और कई तरह की स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का कारण बन सकता है और ग्रीन टी चीनी के सेवन को कम करने में मदद करती है क्योंकि इसके लिए चीनी की आवश्यकता नहीं होती है। इसके अलावा, ग्रीन टी शरीर के डोपामाइन और नॉरपेनेफ्रिन जैसे तत्वों को प्रभावित करके आपकी भूख को भी सीमित करने में भी मदद करती है, जिससे आप अधिक खाने से बचकर वजन को कम कर सकते हैं।

अच्छे फैट को बढ़ाने में सहायक है ग्रीन टी

हमारे शरीर में दो तरह के फैट होते हैं, जिसे ब्राउन फैट और व्हाइट फैट कहा जाता है। ब्राउन फैट को गुड फैट के रूप में जाना जाता है क्योंकि यह वजन कम करने में सहयोगी होता है, जबकि व्हाइट फैट शरीर में स्क्रिशी बैड फैट होता है, जो वजन बढ़ने पर दिखाई देता है। ग्रीन टी में मौजूद कैटेचिन शरीर के ब्राउन फैट को बढ़ाने में मदद करता है, जो वजन को कम करने में मदद कर सकता है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -87

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

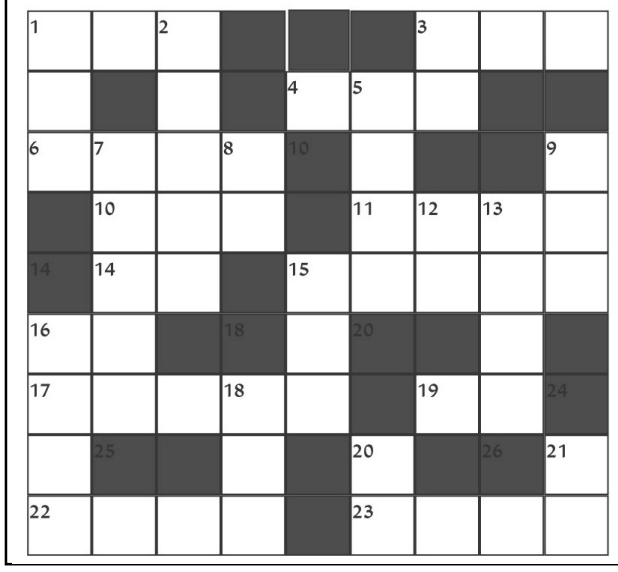

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 86 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

जनहित में जारी के सीक्वल की हो रही तैयारी

नुसरत भरुचा-स्टारर जनहित में जारी कंडोम बेचने वाली एक युवा लड़की की कहानी है। फिल्म के निर्माताओं की योजना के अनुसार फिल्म का सीक्व ल एक और दिलचस्प विषय के साथ आ सकता है। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। अन्य सामाजिक रूप से प्रासंगिक फिल्मों के विपरीत, इसमें अभिनेत्री नुसरत भरुचा ने मुख्य भूमिका निभाई थी। सीक्वल में भी केवल एक महिला स्टार ही होंगी। यह फिल्म दुनिया भर में प्रिंट और विज्ञापन की लागत सहित 20 करोड़ रुपये के बजट पर बनी थी, यह अपने सेटेलाइट, डिजिटल और संगीत अधिकारों में पहले ही 23 करोड़ रुपये वसूल कर चुकी है। इसके अतिरिक्त इसे मध्य प्रदेश सरकार से 2 करोड़ रुपये और बॉक्स ऑफिस पर करीब 4 करोड़ रुपये की सब्सिडी मिली। सूत्रों के अनुसार, एक साउथ प्रोडक्शन हाउस ने भानुशाली स्टूडियो लिमिटेड से तमिल, तेलुगू और पंजाबी रीमेक जनहित में जारी के राइट्स के लिए संपर्क किया है। फिल्म ने वर्जित विषय के इर्द-गिर्द बहुत जरूरी बातचीत को जन्म दिया और यह देखना दिलचस्प होगा कि इसे विभिन्न क्षेत्रीय दर्शकों के लिए कैसे अडेप्ट किया जाता है।

अक्षय कुमार की फिल्म रक्षाबंधन से तीन अभिनेत्रियां करेंगी डेब्यू

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म रक्षाबंधन से तीन अभिनेत्रियां डेब्यू करने जा रही हैं। अक्षय कुमार स्टारर फिल्म रक्षा बंधन फैमिली ड्रामा फिल्म है। आनंद एल राय के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अक्षय,चार बहनों के साथ नजर आयेंगे। इनमें तीन अभिनेत्री डेब्यू कर रही हैं।शाहजमीन कौर फिल्म 'रक्षा बंधन' में अक्षय कुमार की बहन के किरदार में दिखाई देने वाली हैं।

शाहजमीन इसी फिल्म से एक्टिंग डेब्यू कर रही हैं। दीपिका खन्ना भी अक्षय की बहन के रोल में नजर आंएगी। इससे पहले दीपिका बहुत सारे टीवी शोज में नजर आ चुकी हैं। स्मृति श्रीकांत भी रक्षा बंधन में अक्षय की बहन के किरदार में नजर आएंगी। वह अभिनत्री होने के साथ-साथ मॉडल भी हैं। इसके अलावा फिल्म रक्षा बंधन में सादिया खतीब भी अक्षय की बहन के रोल में नजर आने वाली हैं। सादिया इससे पहले विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म शिकारा में नजर आ चुकी हैं। इन चारों फीमेल एक्ट्रेस के अलावा फिल्म में अक्षय के अपोजिट भूमि पेडनेकर भी नजर आएंगी। रक्षा बंधन 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

हरीश कल्याण अभिनीत डीजल का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज

निर्देशक षणमुगम मुथुसामी की आगामी एक्शन एंटरटेनर फिल्म डीजल की इकाई, (जिसमें अभिनेता हरीश कल्याण और अथुल्या रवि मुख्य भूमिका में हैं) ने फिल्म का पहला लुक जारी कर दिया। फर्स्ट लुक को साझा करते हुए ट्विटर पर अभिनेता हरीश कल्याण ने कहा, आपकी शुभकामनाओं, प्यार और समर्थन के साथ, यहां डीजल का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया है। फिल्म थर्ड आई एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है। प्रोडक्शन हाउस थर्ड आई एंटरटेनमेंट ने एक साथ फिल्म का एक और पोस्टर भी जारी किया, जिसमें हरीश कल्याण और अथुल्या रवि दोनों शामिल थे। दिलचस्प बात यह है कि हरीश कल्याण अपना जन्मदिन 29 जून को मनाया। फिल्म, (जिसमें एमएस प्रभु सिनेमैटोग्राफर हैं) का संगीत धीबू निनन थॉमस ने दिया है। फिल्म का संपादन शान लोकेश ने किया है। कुछ दिनों पहले ही, अभिनेता ने सोशल मीडिया पर तस्वीरों की एक गुच्छा साझा किया था, जिसमें उन्होंने अपनी टोन्ड बॉडी दिखाई थी। अभिनेता ने तब कहा था कि उन्होंने अपनी आने वाली फिल्म के लिए इस लुक को हासिल करने के लिए अपनी सीमाएं लांघी है, जिसका पहला लुक जल्द ही आने वाला है।

एमटीवी के रियलिटी शो एक्स और नेक्स्ट में शामिल हुए क्रिसन बैरेटो

कैसी ये यारियां की अभिनेत्री क्रिसन बैरेटो नए रियलिटी शो एमटीवी के एक्स और नेक्स्ट में नजर आएंगी। यह शो मालदीव में तीन लोकप्रिय पूर्व जोड़ों को एक साथ लाता है, जिससे उन्हें अपना अगला खोजने या अपने पूर्व के प्यार में वापस आने का मौका मिलता है।कंटेस्टेंट शो में जाएंगे और वहां वे अपने एक्स से मिलेंगे। शो में क्रिसन बैरेटो-सलमान जैदी, निकिता भमिदीपति-समर्थ्य गुप्ता और सलोनी सेहरा-वरुण वर्मा समेत तीन एक्स कपल नजर आएंगे। एक्स और नेक्स्ट पर अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए क्रिसन ने साझा किया, किसी के पूर्व के साथ फिर से जुड़ना उतना आसान नहीं है जितना कि यह बहुत से लोगों को लग सकता है, खासकर जब आपकी सभी निजी बातचीत और क्षण राष्ट्रीय टेलीविजन पर फिल्माए और प्रसारित किए जा रहे हों। उन्होंने आगे बताया, मालदीव में एमटीवी के एक्स और नेक्स्ट की शूटिंग के दौरान मेरे पास वास्तव में मेरे जीवन का समय था। यह अपनी तरह की अनूठी वास्तविकता दर्शकों के लिए एक उपन्यास प्रारूप लाती है, जिसे कभी भारतीय टेलीवीजन पर नहीं देखा गया है। एक्स ऑर नेक्स्ट 16 जुलाई से एमटीवी पर शुरू होगा।(आरएनएस)

शाहरुख और एटली की फिल्म में शामिल हो सकती हैं दीपिका

शाहरुख खान और एटली की फिल्म जवान इन दिनों चर्चा में है। दक्षिण भारतीय फिल्मों के मशहूर निर्देशक एटली इस फिल्म के साथ बॉलीवुड में दस्तक दे रहे हैं। शाहरुख लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर आने को तैयार हैं, इसलिए भी फिल्म की दीवानगी जोरों पर है। इस फिल्म में लोकप्रिय तमिल अभिनेत्री नयनतारा शाहरुख के साथ नजर आएंगी। अब खबर आई है कि दीपिका पादुकोण भी फिल्म की कास्ट में शामिल हो सकती हैं।

रिपोर्ट के अनुसार दीपिका भी जवान में नजर आएंगी। फिल्म में वह गेस्ट अपियरेंस में होंगी। हालांकि, खबर है कि दीपिका की छोटी लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका होगी। दीपिका, शाहरुख और एटली से इसपर काफी समय से चर्चा कर रही थीं। अब उन्होंने इसके लिए हामी भर दी है। हालांकि, कागजी औपचारिकताएं अभी बाकी है। इसको लेकर आधिकारिक घोषणा का भी इंतजार है। इसके अलावा दीपिका इन दिनों अपनी फिल्म के प्रोजेक्ट की शूटिंग कर रही हैं।

रेड चिलीज एंटरटेनमेंट की फिल्म जवान अगले साल 2 जून को रिलीज होगी। हाल ही में जवान का टीजर जारी किया गया था। यह फिल्म ऐक्शन से भरपूर होगी। इसे हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज किया जाएगा। चर्चा है कि फिल्म में शाहरुख डबल रोल में होंगे। एक किरदार गैंगस्टर के बेटे का है, तो वहीं दूसरा किरदार रॉ अधिकारी का है। वहीं, अभिनेत्री नयनतारा फिल्म में एक जांच अधिकारी की भूमिका में होंगी।

जवान के कास्ट की बात करें तो फिल्म में शाहरुख और नयनतारा के अलावा सान्या मल्होत्रा, सुनील ग्रोवर, राणा दग्गुबाती, प्रियामणि और कॉमेडियन योगी बाबू भी नजर आएंगे। अब दीपिका के फिल्म में होने की खबर से प्रशंसकों में इसके लिए दिलचस्पी और बढ़ गई है। बता दें इससे पहले दीपिका और शाहरुख ओम शांति ओम, चेन्नई एक्सप्रेस और हैप्पी न्यू ईयर में साथ काम कर चुके हैं। दीपिका पिछली बार फिल्म गहराइयां में नजर आई थीं।

जवान के अलावा दीपिका शाहरुख के साथ फिल्म पठान में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में वह मुख्य किरदार निभा रही हैं। यह फिल्म जनवरी 2023 में रिलीज होगी। दीपिका की फिल्म के प्रोजेक्ट भी अगले साल रिलीज होगी। यह एक साइंस फिक्शन फिल्म है जिसमें अमिताभ बच्चन और प्रभाष भी नजर आएंगे। हाल ही में इस फिल्म की शूटिंग के दौरान तबियत खराब होने पर दीपिका को फिल्म के सेट से अस्पताल ले जाना पड़ा था। यह फिल्म नयनतारा से पहले सामंथा को दी गई थी। सामंथा ने फिल्म के लिए मना कर दिया और फिल्म नयनतारा की झोली में आ गई। (आरएनएस)

देवोलीना भट्टाचार्जी कूकी के लिए बनीं पत्रकार

टीवी अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी, जो वर्तमान में साथ निभाना साथिया 2 में नजर आ रही हैं। इसी के साथ अभिनेत्री प्रणब जे डेका द्वारा निर्देशित आगामी फिल्म कुकी में एक पत्रकार की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरीके से तैयार हैं।

अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी कहती हैं, मैं इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं। मैं नवनीता सेन के रूप में दिखूंगी, जो पेशे से एक पत्रकार हैं। यह पहली बार है जब मैं एक पत्रकार की भूमिका निभाने जा रही हूं। यह एक बहुत ही दिलचस्प किरदार है। मेरे दर्शक फिल्म में एक नया मुझे देखेंगे। फिल्म की कहानी एक बलात्कार पीड़िता पर आधारित है।

गोपी बहू का प्रतिष्ठित किरदार निभाने और बाद में रियलिटी टीवी शो बिग बॉस में भाग लेने के लिए अपार लोकप्रियता हासिल करने वाली देवोलीना को लगता है कि पत्रकार हमारे समाज के बहुत महत्वपूर्ण सदस्य हैं।

देवोलीना भट्टाचार्जी कहती हैं, पत्रकारों के प्रति मेरा हमेशा बहुत आभार रहा है। मुझे लगता है कि वे हमारे समाज के बहुत महत्वपूर्ण सदस्य हैं। वे वास्तव में हमें हर महत्वपूर्ण घटनाओं के साथ अद्यतन और शिक्षित रहने में मदद करते हैं। मुझे लगता है कि कई बार एक पत्रकार एक पीड़ित के लिए एक मामला जीतने और न्याय पाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हालांकि पेशा एक बहुत ही जिम्मेदार है, मुझे लगता है कि व्यक्ति इसे उठा रहे हैं पेशे को समर्पित और वफादार रहना चाहिए क्योंकि उनके पास हमेशा कई महत्वपूर्ण चीजों की महत्वपूर्ण पहुंच होती है।

कूकी में दीपानिता शर्मा, राजेश तैलंग, स्वास्तिका मुखर्जी, उदयन दुआरा भी हैं। इसकी शूटिंग असम के दो शहरों तेजपुर और गुवाहाटी में की जाएगी। (आरएनएस)

शगुन पन्नू ग्लैमर के मामले में देती हैं अभिनेत्रियों को भी मात

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू आज के समय में एक जानी-मानी अभिनेत्री बन चुकी हैं। वह अक्सर ही अपनी खूबसूरती और बेहतरीन अदाकारी की वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि तापसी पन्नू की एक बहन भी हैं ? जो खूबसूरती के मामले में किसी भी एक्ट्रेस से कम नहीं हैं। आज हम आपको तापसी की खूबसूरत बहन शगुन से रूबरू कराएगें।

दरअसल तापसी पन्नू की बहन शगुन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया हैं। जिसमें वे बेहद ही खूबसूरत दिखाई दें रही हैं। आपको बता दें कि इन दिनों तापसी की बहन शगुन फ्रांस में हैं वहीं से उन्होंने अपना यह वीडियो शेयर किया हैं। अपने इस वीडियो में शगुन पिंक कलर के क्रॉप टॉप और प्रिंटेडशॉर्ट्स पहना हुआ हैं साथ ही उन्होंने ग्रे डेनिम शर्ट पहनी हुई है। तापसी की बहन शगुन के इस वीडियो को लोग काफी पंसद कर रहे हैं।

आपको बताते चले कि तापसी पन्नू की बहन शगुन पन्नू बेशक से अभी तक

किसी भी फिल्म में नजर न आई हो लेकिन असल जीवन में काफी बोल्ड और ग्लैमरस हैं। उनका स्टाइल किसी भी अभिनेत्री से कम नहीं हैं। उनका अंदाज भी अपनी बहन तापसी के जैसा ही हैं और दोनों बहनों की आदतें भी एक-दूसरे से काफी मिलती जुलती हैं। वहीं बात करें दोनों बहनों की बॉन्डिंग की तो दोनों बहनें काफी क्लोज हैं और दोनों एक साथ मुंबई में रहती हैं। तापसी अपनी छोटी बहन से बहुत प्यार करती हैं और एक सहेली की तरह दोनों बहने ही आपस में अपनी सारी बातें शेयर करती हैं। वहीं तापसी और शगुन को अक्सर साथ में बाहर घूमते हुए भी कई बार स्पॉट किया गया हैं।

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू की बहन शगुन पन्नू सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी वीडियो, फोटोज शेयर करती हैं। शगुन की इंस्टाग्राम की तस्वीरें काफी ग्लैमरस और बोल्ड हैं। उनकी यह तस्वीरें साबित करती हैं कि वह भी बॉलीवुड की किसी अभिनेत्री से कम नहीं हैं और अपने स्टाइल से सभी को मात देती हुई दिखाई देती हैं। तापसी की बहन शगुन अभी तक बॉलीवुड में नहीं दिखाई दी हैं न ही अभी तक उनकी बॉलीवुड में एंट्री पर कोई खबर सामने आई हैं।

आपको बता दें कि तापसी तापसी पन्नू की बहन पन्नू एक प्रोफेशन वेडिंग प्लानर हैं और मॉडलिंग की दुनिया में भी अपना हाथ आजमा चुकी हैं। बहुत कम ही लोगों को पता हैं कि शगुन पन्नू साल 2006 में मिस इंडिया फाइनलिस्ट भी रह चुकी हैं।

पहली सभ्यता: हाइब्रिड फाउंडेशन!

हरिशंकर व्यास

मनुष्य समाज दरअसल पशु प्रवृत्तियों और मनुष्य व्यवहार की वह वर्णसंकर, हाईब्रिड प्रजाति है, जिससे मानव दिमाग एक छोर से दूसरे छोर, जंगली से मानवीय छोर में झूलता है। दुविधाओं और अतिवाद में जिंदगी जीता है। यह भूख, भय, अहम का अतिवाद है तो इन पर शासन व शोषण की बनी गड़ेरिया बुद्धि भी कम अतिवादी नहीं है। ञ21वीं सदी के आठ अरब लोगों की मौजूदा आबादी में श्रेष्ठि मानव वर्ग आठ करोड़ भी नहीं होंगे। जबकि 99 प्रतिशत लोग पशुगत प्रवृत्तियों की भेड़-बकरी, सुअर की कैटल क्लास के एनिमल फार्म में जिंदगी जी रहे हैं। सभ्यता की हाइब्रिड फाउंडेशन के कारण!

प्रलय का मुहाना -31: यक्ष प्रश्न है सुमेर की पहली सभ्यता से मनुष्य का क्या हुआ उसके पशुगत डीएनए मिटे या वे और बढ़े सुमेर-मेसोपोटामिया के मॉडल व टैंपलेट से बनी सभ्यताओं से मनुष्य सभ्य हुआ या दुष्ट पहली बात, वह व्यवस्थाओं का अधीनस्थ हुआ। दूसरी बात, मनुष्यों में असमानता बनना शुरू हुई। तमाम सभ्यताओं में वे आइडिया और व्यवस्थाएं बनीं, जिनसे बहुसंख्यक लोगों का नया पशु जीवन प्रारंभ हुआ। वहीं कुछ लोग उन्हें हांकने वाले कुलीन मानव बने। तब से आज तक मनुष्यों में, उनके समाजों, धर्मों, राजनीति, व्यवस्थाओं में यह सोच स्थायी है कि फलां सभ्य है या असभ्य।

इस दोहरी व्यवस्था के मूल प्रवर्तक-प्रायोजक सुमेर के पुजारी और उनके बनवाए राजा, उनके कारिंदे या कि नया श्रेष्ठि मानव था। कोई माने या न माने 21वीं सदी के आठ अरब लोगों की मौजूदा आबादी में श्रेष्ठि मानव वर्ग आठ करोड़ भी नहीं होंगे। जबकि 99 प्रतिशत लोग पशुगत प्रवृत्तियों की भेड़-बकरी, सुअर की कैटल क्लास की एनिमल फार्म जिंदगी जीते हुए हैं, ऐसा सभ्यता की हाइब्रिड फाउंडेशन से निर्मित संचालकों-मालिकों धर्माचार्यों, सत्तावान, बुद्धिमान और धनवानों व कारिंदों के कुलीन वर्ग की बदौलत है।

अतिवादी छोर

तभी आठ अरब लोगों का मनुष्य समाज दरअसल पशु प्रवृत्तियों और मनुष्य व्यवहार की वह वर्णसंकर, हाइब्रिड प्रजाति है, जिससे मानव दिमाग एक छोर से दूसरे छोर, जंगली से मानवीय छोर में झूलता है। दुविधाओं और अतिवाद में जिंदगी जीता है। यह भूख, भय, अहम का अतिवाद है तो इन पर शासन व शोषण की बनी गड़ेरिया बुद्धि भी कम अतिवादी नहीं है।

मनुष्यों के कई रूपों, वर्ग-वर्ण और पहचान का सुमेर से शुरू सिलसिला सभ्यता की खास विशेषता है। वह प्रगति का आधार है तो नारकीयता का भी। संदेह नहीं शहरी रहन-सहन, औजार-निर्माण, सुरक्षा-लड़ाई के हथियार, श्रम विभाजन, प्रबंध, यातायात, दिमाग-बुद्धि में नए-नए आइडिया, भौतिक उपलब्धियों की प्रगति के अनुभव जबरदस्त हैं। सभ्यताओं के बाड़े बने। समाज-धर्म-राजनीति के त्रिभुज ने मनुष्य व्यवहार के नए आयाम बनाए। प्रतिस्पर्धाएं बनीं। मनुष्य पॉवरफुल हुआ। उसका वह अभिजात-कुलीन वर्ग पैदा हुआ, जिसकी कमान से लोगों के जीने की पद्धति का सत्व-तत्व और दिशा बनीं है।

चाहें तो कह सकते हैं कि सभ्यता से लोगों में कम-ज्यादा सभ्य होने का बोध तो बना। यह आइडिया तो पैदा हुआ कि मनुष्य को बतौर मानव परिपूर्ण बनना है। इसी बोध में शायद मनुष्य समाजों, राष्ट्रों की अलग-अलग आइडेंटिटी बनी। जन्म, पहचान और हैसियत से मानव गरिमा और स्वतंत्रता तय हुई। मनुष्य जीवन के संचालनालय बने। जिंदगी स्वार्थी संबंधों और रिश्तों में बंधी।

अपना मानना है कि मानव का दुर्भाग्य जो उसने खेती को अपना कर पराश्रित-संचालित जिंदगी का रास्ता अपनाया। भूख, भय और अहम में अपने को पुजारी और राजा व कुलीनवर्ग के सुपुर्द किया। उस प्रारंभिक-बेसिक गलती के बाद से मनुष्य दिमाग लगातार अबोध है। होमो सेपियन ज्ञानवान हो ही नहीं पाया। सभ्य भी असभ्य और पूरे मानव जीवन को असभ्य बनाते हुए। जिन मनुष्यों की पशुओं के मुकाबले बुद्धि बढ़ी और उन्हें मानव पर सोचने का मौका मिला था वे भी मानव सभ्यता की नियति को बाड़ों-गड़ेरियों की बनवाते हुए थे। सुमेर से परस्पर रिश्तों में स्वार्थों की वे स्थितियां और जातियां बनीं, जिनसे ऊंच-नीच, शोषक-शोषित की व्यवस्थाओं का निर्माण हुआ। यहीं फॉर्मूला आगे सिटी-स्टेट, देशों की चारदिवारियों के रिश्तों और लड़ाई-झगड़ों में निर्णायक था। जाहिर है सुमेर के बीज, खाद-पानी से प्रगति का रास्ता बना तो साथ ही मनुष्य दिमाग कलुषित होना भी शुरू हुआ। कुल मिलाकर सुमेर की पहली सभ्यता से मनुष्य की शिकारी-खानाबदोश वक्त की स्वतंत्रता-स्वछंदता-आत्मनिर्भर-ऑर्गेनिक जिंदगी खत्म।

तब से पशु-मनुष्य का साझा हाइब्रिड जीवन लगातार मानवीय और नारकीय विकास का समानांतर मानव अनुभव बनाए हुए है।

सभ्यता की जन्मजात चतुराई

सभ्यता्गत किंगडम ऑफ ह्यमून एनिमेलिया का प्रारंभ चतुराईयों से शुरू हुआ। मनुष्य को बांधने का जिम्मा पुजारियों और धर्म ने संभाला। मनोदशा, स्वभाव और व्यवहार में संस्कार, नैतिक मूल्य, विश्वास-आस्था की गंगोत्री धर्म से संचालित है। इसके सहायक रूप में फिर समाज का रोल। मतलब समाज और धर्म मनुष्य की मनोदशा को बनाता आया है वहीं राजा व राजनीति का रोल भूख और भय-असुरक्षा के निदान और उसकी व्यवस्थाओं के लिए। सुमेर की पहली सभ्यता से धर्म, समाज और राजनीति पर मनुष्य की निर्भरता ही वह कारण है, जिससे पालनहार, संरक्षक, रक्षक, मालिक कुलीन वर्ग पैदा हुआ। दिमाग और बुद्धि धर्म और राजा व इनके कुलीन वर्ग को समर्पित व उनकी अधीनस्थ।

ईसा पूर्व सन् 35 सौ में सिटी-स्टेट का शासन, शुरुआत में कुनबे-कबीले के पारिवारिक व्यवसाय जैसा था। वह ग्यारह सौ साल बाद ईसा पूर्व 24 सौ में सुमेरियन सभ्यता के लंबे-चौड़े साम्राज्य में जब तब्दील हुआ तो पुजारी-राजा-नौकरशाहों के जबरदस्त कुलीन वर्ग से सांगठनिक राष्ट्र था। उसका मालिकाना पूरी तरह कुलीन वर्ग के हाथों में। ईसा पूर्व सन् 2350 में केंद्रीय मेसोपोटामिया क्षेत्र के सिटी-स्टेट अक्कड़ में सरगोन नाम के राजा के वक्त की प्रगति मील का पत्थर है। वह इतिहास का पहला साम्राज्य निर्माता सम्राट था। उसने और उसके खानदान ने कोई 120 वर्ष शासन किया। उसने नौकरशाही बनाई। सुमेर-मेसोपोटामियाई कायदों, मूल्यों और सामाजिक-आर्थिक अनुभवों पर कानून बनाए। यह राजा भी पुजारियों द्वारा भगवान का अवतार घोषित था। पुजारियों ने उन्हें बाबुल (बेबीलोन) के शीर्ष देवता मार्डुक की ओर से राजा घोषित कर प्रजा में अंधविश्वास बनाया था। वह पौराणिक घटना स्टेल्स (पत्थर के स्तंभ) पर चित्रित है। उसकी प्रतिलिपि पेरिस के लूव्रे संग्रहालय में है। जाहिर है मंदिर और महल का एक-दूसरे से पोषण था। साझेदारी थी। दोनों के आइडिया में, उनकी सर्वज्ञता में कुलीन वर्ग का निर्माण था। उसी अभिशाप में पिछले पांच हजार वर्षों से पृथ्वी के बहुसंख्यक मनुष्य नरक भोगते आए हैं।

मेसोपोटामिया में महल और मंदिर की साझी सर्वज्ञता में देवताओं का उपयोग राजाओं द्वारा प्रजा को उल्लू बनाने और स्वयं की शक्ति को मजबूत करने के लिए था। जब अक्कड़ सत्ता का केंद्र बना तो सुमेरियन देवताओं की जगह शिलालेखों में बेबीलोन देवता (मार्डुक) टॉप पर हो गए। नए राजा के नए कानूनों में जहां सुमेरियन परंपरा थी तो बेबीलोन शासन की नई सोच भी थी। इसका एक बारीक फर्क यह था जो सुमेरियन दंड में नागरिकों से जुर्माना लेने पर जोर था वहीं हजार साल के विकास, हिंसा, ताकत के अनुभवों के बाद अक्कड राज में आंख के बदले आंख और एक दांत के लिए दांत जैसी शारीरिक-यातनादायी दंड व्यवस्थाएं बनीं। मतलब हिंसा, क्रूरता, दुष्टताएं बढ़ी हुई।

अमेरिका का पीछे लौटना

अमेरिका में जो रहा है, उससे ये धारणा और गहराएगी कि अमेरिका प्रगति की राह छोड़ कर उलटी दिशा अपना चुका है। वैसे में वह प्रतिस्पर्धी व्यवस्था यानी चीन को कैसे वैचारिक चुनौती देगा, इस सवाल पर वहां के बौद्धिक जगत को सोचना चाहिए।

जिस समय दुनिया में दो अलग-अलग तरह की व्यवस्थाओं के बीच बेहतर दिखने होड़ लगी है, तब अमेरिका की न्यायपालिका अपने देश के लिए मुसीबत खड़ी करती दिख रही है। इस साल अभी छह महीने पूरे नहीं हुए हैं, लेकिन देश में आम जगहों पर गोलीबारी की 300 से ज्यादा घटनाएं हो चुकी हैँ। फिर भी न्यूयॉर्क की एक अदालत ने उस कानून को रद्द कर दिया, जिसके तहत खुले बाजार में हथियार खरीदने और खुलेआम उसे लेकर चलने पर रोक लगाने की कोशिश की गई थी। न्यायालय ने कहा कि ऐसी रोक अमेरिका वासियों के मूल अधिकार का हनन है। इस फैसले के ठीक एक दिन बाद अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात को वैध ठहराने का अपना फैसला पलट दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने 1973 के रो एंड वेड नामक फैसले को पलटा। अब खबर है कि कई राज्यों में 'गर्भपात की गोलियों' (एबॉर्शन पिल्स) की उपलब्धता सीमित करने कोशिशों पर ध्यान केंद्रित कर दिया गया है। अमेरिका में मिफेप्रिस्टोन और मिसोप्रोस्टॉल नाम की गोलियों का इस्तेमाल गर्भ गिराने के लिए होता है। इन गोलियों के सेवन को अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने मान्यता दे रखी है। इन गोलियों का इस्तेमाल गर्भ ठहरने के पहले दस हफ्तों के अंदर किया जाता है। इन गोलियों की ऑनलाइन डिलीवरी भी होती है।

अमेरिका के जिन राज्यों ने गर्भपात पर रोक लगाई है, अब वहां इन गोलियों की डिलीवरी रोकने के उपायों पर विचार चल रहा है। 2020 में अमेरिका में कुल जितने गर्भपात हुए, उनमें 54 फीसदी गोलियों के जरिए कराए गए। 2017 में ये आंकड़ा 39 प्रतिशत था। पिछले दिसंबर में एफडीए ने इन गोलियों की ऑनलाइन सप्लाई पर लगी रोक हटा ली थी।

फिर भी अंदेशा है कि रिपब्लिकन शासित राज्य गोलियों को प्रतिबंधित करने का प्रयास कर सकते हैँ। ऐसा हुआ, तो ये धारणा और गहराएगी कि अमेरिका अब प्रगति की राह छोड़ कर अवनति का रुख कर चुका है। वैसे में वह प्रतिस्पर्धी व्यवस्था यानी चीन को कैसे वैचारिक चुनौती देगा, इस सवाल पर वहां के बौद्धिक जगत को सोचना चाहिए।

महा विकास अघाड़ी का क्या होगा

महाराष्ट्र के कई नेता अभी राज्य में खेल खत्म हुआ नहीं मान रहे हैं। भाजपा का स्पीकर चुन लिए जाने के बाद भी उनको लग रहा है कि सरकार स्थिर नहीं रहने वाली है। चाहे जिस वजह से हो लेकिन उठापटक जारी रहेगी। तभी महा विकास अघाड़ी से जुड़े नेताओं का कहना है कि इसका अस्तित्व भी बना रहेगा। तीनों पार्टियों के बीच गठबंधन अभी थोड़े दिन रहेगा। यह भी कहा जा रहा है कि एनसीपी नेता शरद पवार ने तीनों पार्टियों के नेताओं से बात की है और साथ रहने की जरूरत बताई है। हालांकि अभी के हालात में सबसे लाभ में पवार की पार्टी ही है। शिव सेना के टूटने के बाद उनकी पार्टी को विधानसभा में मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा मिल जाएगा। लेकिन शिव सेना से अलग हुए मराठा नेता को मुख्यमंत्री बनाए जाने से वे भी चिंता में हैं। उनको अपने मराठा वोट की चिंता सता रही है। तभी कहा जा रहा है कि वे हर हाल में महा विकास अघाड़ी को साथ रख कर एकनाथ शिंदे को कमजोर करने की राजनीति करेंगे। वे यह जरूर चाहते हैं कि भाजपा और उनकी पार्टी ही केंद्रीय ताकत रहे। लेकिन भाजपा ने एकनाथ शिंदे को सीएम बना कर उनका दांव बिगाड़ दिया है। तभी शिंदे को कमजोर करने के लिए वे उद्धव ठाकरे के नियंत्रण वाली शिव सेना को बचाए रखने का प्रयास करेंगे। (आरएनएस)

अब दोष बताना जुर्म है!

निष्कर्ष यह है कि अब सरकार की छवि पर असर डालने वाले किसी प्रकार की घटना को उठाना अपराध समझा जाने लगा है। विचारणीय प्रश्न है कि भारत आखिर कैसा समाज बनता जा रहा है

इस घटना पर ध्यान दीजिए। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में समाजवादी पार्टी के विधायक डॉक्टर आरके वर्मा अपने क्षेत्र रानीगंज में बन रहे सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज का निरीक्षण करने पहुंचे, तो उन्हें शिकायत मिली थी कि निर्माण कार्य में खराब गुणवत्ता वाली चीजों का उपयोग हो रहा है। विधायक ने देखा तो यह शिकायत सही निकली। नवनिर्मित दीवार को जब उन्होंने छूकर देखा, तो वो हिलने लगी और थोड़ा धक्का दिया तो भरभराकर गिर गई।

विधायक का यह वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने लगा। कुछ ही देर बाद इंजीनियरिंग कॉलेज का निर्माण करा रही कंपनी की ओर से विधायक आरके वर्मा और उनके भाई समेत छह लोगों के खिलाफ कंधई थाने में एफआईआर दर्ज करा दी गई। अब वर्मा इस घटना में मुख्य अभियुक्त हैँ और ऐसा होने का यह पहला मामला नहीं है। वैसे ही तो इस तरह की मिसालें सारे देश में बढ़ती जा रही हैं, लेकिन अगर उत्तर प्रदेश पर ही ध्यान केंद्रित करें, तो ऐसे कई मौके आए हैं जब भ्रष्टाचार की शिकायत करने वाले ही कठघरे में खड़े कर दिए गए हैं। इसी साल अप्रैल में बोर्ड परीक्षा के पेपर लीक होने संबंधी खबर छापने के मामले में तीन पत्रकारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करके उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था।

रेत माफिया और खनन माफिया के खिलाफ खबर लिखने वाले कई पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को आए दिन धमकियां मिलती रहती हैं। उनके खिलाफ न सिर्फ माफिया की ओर से केस दर्ज कराने, बल्कि कई बार सरकारी अफसरों की ओर से भी केस दर्ज किए जाने के मामले सामने आए हैँ। कमेटी अगेंस्ट असॉल्ट ऑन जर्नलिस्ट्स नाम की संस्था एक रिपोर्ट के मुताबिक 2017 में राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद पांच साल के दौरान राज्य भर में 48 पत्रकारों पर शारीरिक हमले हुए, 66 के खिलाफ केस दर्ज हुए, और उनकी गिरफ्तारी हुई।

कोविड महामारी के दौरान भी कई पत्रकारों के खिलाफ केस दर्ज किए गए। तो निष्कर्ष यह है कि अब भ्रष्टाचार, अत्याचार और सरकार की छवि पर असर डालने वाले किसी प्रकार की घटना को उठाना अपराध समझा जाने लगा है। ऐसे में विचारणीय प्रश्न यह हो जाता है कि भारत आखिर कैसा समाज बनता जा रहा है। (आरएनएस)

सड़क दुर्घटना में तीन छात्रों की मौत

हमारे संवाददाता

ऊधमसिंह नगर। सड़क दुर्घटना में बाइक सवार तीन छात्रों की सड़क किनारे खड़ी कंबाइन से जोरदार भिड़ंत हो गयी। जिससे तीनों छात्र गम्भीर रूप से घायल हो गये जिन्हे अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उपचार के दौरान तीनों की मौत हो गयी। सूचना मिलने पर पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार बाजपुर के ग्राम मढैया हट्टू निवासी राजेंद्र सिंह और बलदेव सिंह अपने दोस्त अमनदीप को ग्राम धूरियां स्थित इंटर कॉलेज से लेकर घर जा रहे थे। बताया जा रहा है क जब उनकी बाइक घर के समीप पहुंची तो वह सड़क किनारे खड़ी कंबाइन से टकरा गई। जिससे तीनों छात्र गम्भीर रूप से घायल हो गये। घटना की सूचना मिलने पर घायलों के परिजन मौके पर पहुंच गये। परिजनों ने घायलों को बाजपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने अमनदीप और राजेंद्र को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल बलदेव सिंह का प्राथमिक उपचार कर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। वहां उपचार के दौरान बलदेव सिंह की भी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई जहां पुलिस ने तीनों मृतकों के शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

पुलिस ने गांजे के साथ एक को गिरफ्तार किया

देहरादून (संवाददाता)। पुलिस ने गांजे के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस ने आजाद कालोनी मलिन बस्ती के पास एक व्यक्ति को रोकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देखकर भाग खड़ा हुआ पुलिस ने पीछा कर उसे थोड़ी दूरी पर दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से एक किलो गांजा बरामद कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम गरीब शाहनी पुत्र पवित्र शाहनी निवासी ग्राम पोरा भरुली थाना सिंघवाडा जिला दरभंगा विहार हाल निवासी गोविन्दगढ आजाद कालोनी मलिन बस्ती बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

चोरों ने दुकान का शटर उठाकर की चोरी

देहरादून (संवाददाता)। चोरों ने दुकान का शटर उठाकर वहां से बनियान कच्छे चोरी कर लिए हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार धामावाला निवासी मुकेश अग्रवाल ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि रात्रि समय करीब साढे दस बजे लगभग उसकी दुकान मैसर्स बाल कृष्ण गुप्ता एण्ड सन्स धामा वला बाजार से एक लडके ने दुकान का शटर उठाकर दुकान से 10 डब्बे कच्छे बनियान के चोरी कर लिये जिसे बाजार के चौकी दार ने पकडने की कोशिश की परन्तु वह चोर डब्बों सहित भाग गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

पुलिस विभाग द्वारा अपनी इन तैयारियों को परखने के लिए अभी से ट्रायल शुरू कर दिए गए हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी से निपटने और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने पर पुलिस विभाग का सबसे अधिक फोकस है। यही नहीं कांवड़ियों के लिए एक एडवाइजरी भी जारी की गई है जिसका अनुपालन हर एक कांवड़ियें को करना होगा। कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी तरह का हुड़दंग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा इसे लेकर पुलिस प्रशासन ने अभी से कमर कस ली है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दूसरे राज्यों से जल लेने आने वाले कावड़ियों का हरिद्वार पहुंचना शुरू हो गया है।

मुख्यमंत्री ने किया बीज बम सप्ताह का शुभारम्भ

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 'बीज बम अभियान सप्ताह' का शुभारंभ किया। हिमालय पर्यावरण जड़ी-बूटी एग्रो संस्थान 'जाड़ी' द्वारा यह बीज बम अभियान सप्ताह 09 जुलाई से 15 जुलाई 2022 तक चलाया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण पर आधारित पुस्तक 'हिमालयी जन सरोकार' का विमोचन भी किया।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में 'बीज बम अभियान सप्ताह' का शुभारंभ किया। हिमालय पर्यावरण जड़ी-बूटी एग्रो संस्थान 'जाड़ी' द्वारा यह बीज बम अभियान सप्ताह 09 जुलाई से 15 जुलाई 2022 तक चलाया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण पर आधारित पुस्तक 'हिमालयी जन सरोकार' का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हिमालय पर्यावरण जड़ी-बूटी एग्रो संस्थान द्वारा श्री द्वारिका प्रसाद सेमवाल के नेतृत्व में बीज बम अभियान की शुरूआत कर सराहनीय कार्य किया जा रहा है। यह मानव एवं वन्यजीव संघर्ष को कम करने की दिशा में सराहनीय कदम है। जंगली जानवरों को जंगलों में खाद्य की उपलब्धता हो, इस दिशा में बीज बम अभियान एक अच्छा प्रयोग है। यह वैज्ञानिक तरीके से चलाया जा रहा अभियान है, जिसमें खर्चा भी बहुत कम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी अभियान जन

भागीदारी से ही बड़ा अभियान बनता है। सरकार द्वारा चलाये जा रहे अभियान तभी सफल होते हैं, जब उनमें अधिक से अधिक जन सहभागिता हो। उन्होंने कहा कि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्द्धन कर क्या दे सकते हैं, इस बारे में सबको गम्भीरता से सोचना होगा एवं इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ने की जरूरत है। इकोलॉजी के संरक्षण की दिशा में राज्य सरकार अनेक कार्य कर रही है। उत्तराखण्ड में सकल पर्यावरणीय उत्पाद (जीईपी) का आकलन किया जा रहा है। राज्य सरकार इकोलॉजी एवं इकोनॉमी में सामंजस्य बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 2025 में उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती मनायेगा। 2025 तक उत्तराखण्ड को विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी राज्य बनाने के लिए सरकार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि विभागों, संस्थानों एवं सामाजिक क्षेत्र से लोगों द्वारा प्रदेश हित में क्या किया जा सकता है, इस दिशा में विशेष ध्यान देने की जरूरत है। राज्य के समग्र विकास के लिए विचारों की श्रृंखला 'बोधिसत्व' कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े बुद्धिजीवियों के सुझाव लिये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीज बम अभियान को व्यापक स्तर तक ले जाना होगा। इस अवसर पर डॉ. मोहन सिंह रावत 'गांववासी', बीज बम अभियान के संस्थापक द्वारिका सेमवाल, पूर्व प्रमुख वन संरक्षक जयराज, मुख्य विकास अधिकारी पौड़ी प्रशांत आर्य, कुलपति एस.जी.आर.आर यूनिवर्सिटी डॉ. यू. एस. रावत, प्रो. एम.एस.पंवार, प्रो. एम.एस. एम. रावत, डॉ. अरविन्द दरमोड़ा, एम्स ऋषिकेष से डॉ. संतोष, श्रीमती सावित्री उनियाल एवं वर्चुअल माध्यम से राज्य के विभिन्न जनपदों से जुड़े अधिकारी व इस अभियान से जुड़े लोग शामिल थे।

बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस ने फूंका भाजपा का पुतला फूंका

नगर संवाददाता

देहरादून। रायपुर और डोईवाला विधानसभा के कार्यकर्ताओं द्वारा आज संयुक्त रुप से बढ़ती महंगाई व रसोई गैस की कीमतों में रोज हो रही मूल्यवृद्धि के विरोध में भाजपा की केंद्र सरकार का पुतला फूंका गया। रिंग रोड 6 नंबर पुलिया पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी महामंत्री मनीष कुमार नागपाल ने कहा कि जब से भाजपा की सरकार सत्ता में काबिज हुई है उस दिन से लगातार रसोई गैस की कीमतों में मूल्य वृद्धि होती रहती है और आज इतनी ज्यादा हो गई है कि गरीब को चूल्हा जलाना भी मुश्किल हो गया है। दो वक्त की रोटी खाना भी गरीब आदमी के लिए इन्होंने दूभर कर दिया है। डीजल पेट्रोल और अन्य खाद्य सामग्री पर भी लगातार यह लोग मूल्य वृद्धि करते आ रहे हैं जिससे आम आदमी आज परेशान हो रखा है। उन्होने कहा कि कांग्रेस लगातार बढ़ती महंगाई और मूल्य वृद्धि का विरोध करती है और करती रहेगी।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री नवीन जोशी ने भी मूल्य वृद्धि को गैर जिम्मेदाराना बताया और कहा कि मंहगाई लगातार गरीब आदमी पर चोट करती जा रही है। केंद्र सरकार को सत्ता में बने रहने का कोई हक नहीं है इस मूल्य वृद्धि से गरीब आदमी की कमर टूट गई है और आज वह अपने आप को मझधार में खड़ा पा रहा है और उसको एहसास हो रहा है कि उसने जो भाजपा को वोट दिया था उसकी कितनी बड़ी भूल थी।

महानगर पौराणिक कांग्रेस संगठन के अध्यक्ष आशीष नौटियाल ने भी इस मूल्य वृद्धि को गैर जिम्मेदाराना बताया और कहा कि देश की जनता के साथ भाजपा की सरकार लगातार कुठाराघात कर रही है और मूल्य वृद्धि करके जनता की कमर तोड़ कर रख दी है। उन्होने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता इस मूल्य वृद्धि को बर्दाश्त नहीं करेंगे और भाजपा की केंद्र सरकार का लगातार विरोध करते रहेंगे। पुतला फूंकने वालों में प्रदेश प्रवक्ता सूरत सिंह नेगी, प्रदेश सचिव टीटू त्यागी, ब्लॉक अध्यक्ष विजय गुप्ता, वरिष्ठ नेता मनोज तालियांन, वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह नेगी, वरिष्ठ नेता विनय कुमार, निधि नेगी, नीरू सहित कई लोग शामिल रहे।

एक नजर

लश्कर से जुड़ा हाइब्रिड आतंकवादी गिरफ्तार

बारामूला । जम्मू–कश्मीर के बारामूला जिले से लश्कर–ए–तैयबा से जुड़े हाइब्रिड आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस और सेना २६ आरआर के जॉइंट टीम ने बारामूला के क्रीरी इलाके में लश्कर के हाइब्रिड आतंकवादी को हथियारों और गोला–बारूद के साथ धार दबोचा। पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक आतंकवादी की पहचान तिलगाम पाईन निवासी मोहम्मद इकबाल भट के रूप में की गई है। सुरक्षाबल और पुलिस की संयुक्त टीम ने उसे बारामूला के क्रीरी इलाके में एक चौकी पर गिरफ्तार किया। उसके पास से एक पिस्तौल, मैगजीन और कुछ गोला–बारूद बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि भट आतंकवादी गतिविधियों के लिए रसद सहायता प्रदान करने में सक्रिय रूप से शामिल रहा है और पाकिस्तानी आतंकवादी सैफुल्ला और अबू जर्र के संपर्क में था। घाटी में आतंकी हमलों का ट्रेंड बदल गया है और इस नए ट्रेंड में हाईब्रिड आतंकी मैदान में है। वारदात को अंजाम देने से पहले सॉफ्ट टारगेट की पूरी रेकी की जाती है। इस साजिश को आतंकियों के आका ओवर ग्राउंड वर्कर के जरिए अंजाम देते हैं। इसके बाद हाईब्रिड आतंकियों को हत्या करने की जिम्मेदारी दी जाती है। इसके बाद हाइब्रिड आतंकी भी कई दिनों तक सॉफ्ट टारगेट की गतिविधियों की रेकी करते हैं और उसके बारे में पूरा ब्योरा जुटा लेते हैं। उन्हें यह अच्छी तरह पता होता है कि कब और किस वक्त हमला करना मुफीद होगा। हाइब्रिड आतंकियों को टारगेट किलिंग के लिए बड़े हथियारों की जरूरत नहीं होती है।

बीजेपी राज में गब्बर टैक्स की लूट और आई बेरोजगारी की सुनामीः राहुल गांधी

नई दिल्ली । देश में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार को निशाने पर लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी के राज में पेट्रोल और रसोई गैस की कीमतें बढ़ने के साथ ही श्गब्बर सिंह टैक्सश की लूट एवं बेरोजगारी की सुनामी आ गई है। राहुल ने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) ने कहा–१३३ करोड़ भारतीय हर बाधा से कह रहे हैं, दम है तो हमें रोको। बीजेपी राज में एलपीजी सिलिंडर की कीमतें १५७ प्रतिशत बढ़ीं, रिकॉर्ड–तोड़ महंगा पेट्रोल, गब्बर सिंह टैक्स की लूट और बेरोजगारी की सुनामी आई। कांग्रेस नेता ने आगे लिखा, ष्असल में जनता प्रधानमंत्री से कह रही है–आपकी बनाई इन बाधाओं ने दम निकाल दिया है, अब रुक जाओ। गौरतलब है कि हाल ही में एलपीजी के घरेलू गैस सिलेंडर पर ५० रुपए का इजाफा हुआ है, जिसके बाद दिल्ली के १४ .२ किलो वाले सिलेंडर की कीमत १०५३ रुपए हो गयी है।

हिंदुओं की रक्षा के लिए विश्व हिंदू परिषद ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर!

नई दिल्ली । हिंदूवादी संगठन विश्व हिंदू परिषद ने हिंदुओं की रक्षा के लिए ट्विटर पर हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। ये हेल्पलाइन नंबर मध्यप्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, यूपी, पंजाब, गुजरात, कर्नाटक, जम्मू कश्मीर हिमाचल समेत दूसरे राज्यों में जारी किए गए हैं। सिर कलम गैंग के खिलाफ हिंदूवादी संगठन विश्व हिंदू परिषद खड़ा हो गया है। विश्व हिंदू परिषद ने सोशल मीडिया के माध्यम से हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। ये हेल्पलाइन नंबर मध्यप्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, यूपी, पंजाब, गुजरात, कर्नाटक, जम्मू कश्मीर हिमाचल समेत दूसरे राज्यों में जारी किए गए हैं। विश्व हिंदू परिषद की ओर से कहा गया है, श्पिछले कुछ दिनों में इस्लामिक जिहादियों द्वारा विभिन्न जगहों से हिन्दुओं को डराने धमकाने की खबरें आ रही हैं। इन सभी को देख कर विश्व हिंदू परिषद ने हेल्पलाइन नंबर जारी की है।श विश्व हिंदू परिषद का कहना है कि बजरंग दल कार्यकर्ता देशभर के हिंदुओं की रक्षा करेंगे। हेल्पलाइन नंबर के जरिए यदि किसी हिंदु पर हमला हुता है तो वह पहले स्थानीय पुलिस से मदद मांगे, यदि वह उनकी मदद न कर सकें तो बजरंग दल के नेता उनकी मदद करेंगे।

पूरे राज्य में बारिश का रेड अलर्ट

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में मानसून का कहर जारी है। मौसम विभाग द्वारा आगामी 48 घंटों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान राज्य के कुछ जनपदों में भारी से भी बहुत भारी बारिश हो सकती है। राज्य के मुख्य सचिव ने मौसम विभाग की चेतावनी के बाद सभी जिलों के जिलाधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

उत्तराखंड राज्य में बीती रात से लगातार बारिश का सिलसिला जारी है। भूस्खलन से सड़कें बाधित हो रही है वही नदी–नाले–खाले उफान पर हैं लेकिन आज मौसम विभाग द्वारा जारी की गई चेतावनी के बाद पूरे राज्य में रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है। राज्य के कुछ जिलों जिनमें पौड़ी, नैनीताल और पिथौरागढ़ शामिल है जिनमें भारी से भी अधिक भारी बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं राजधानी दून सहित उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, हरिद्वार व टिहरी में भी भारी बारिश होने की संभावना बताई गई है। इस चेतावनी के बाद मुख्य सचिव द्वारा सभी जिलाधिकारियों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं।

❑कई जिलों में भारी से भी भारी बारिश की चेतावनी
❑नदी-नाले उफान पर लोगों को दूर रहने की सलाह

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात से नैनीताल और हल्द्वानी में भारी बारिश होने की खबर है जिसके कारण नगर क्षेत्र में भारी जलभराव से जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया है। मोरना नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है तथा लोगों से नदियों से दूर रहने को कहा गया है। उधर बीती रात सक उत्तरकाशी में भी भारी बारिश होने की खबर है। पहाड़ पर भारी बारिश के कारण भागीरथी का जलस्तर इतना बढ़ गया है कि सभी घाट जलमग्न हो गए हैं। चमोली से प्राप्त समाचार के अनुसार जोशीमठ के पास भारी बारिश के कारण यात्रा को रोके जाने की खबर है यहां हनुमान चट्टी के पास बद्रीनाथ राजमार्ग पर भारी मलबा आने से मार्ग बंद हो गया वहीं खचड़ा नाले में उफान आने के कारण यात्रियों को रोका गया है।

उधर कोसी बैराज से 870 क्यूसेक पानी छोड़े जाने से निचले हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए है।। नदी किनारों बसे लोगों को लाउड स्पीकर के जरिए सर्तक किया जा रहा है। पिथौरागढ़ से प्राप्त समाचार के अनुसार खुर्जिया पुल के टूट जाने से यातायात बंद हो गया था। वहीं चम्पावत में भारी बारिश के कारण सरस्वती नदी का जल स्तर बढ़ने की खबर है। बागेश्वर में भारी बारिश के कारण 34 सड़कें बंद हो गयी है। जिससे लोगों को भारी परेशानी हो रही है।

मौसम विभाग की चेतावनी के कारण आज नैनीताल और पौड़ी जनपद के स्कूलों को बंद रखा गया है। वहीं अगले 24 घंटों के लिए पूरे राज्य में रेड अलर्ट जारी किया गया तथा लोगों को नदियों से दूर रहने व बेवजह घर से न निकलने की चेतावनी दी गयी है।

अब होटलों में नहीं होंगे सरकारी कार्यक्रम

विशेष संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सरकारी खर्चों में कमी लाने के लिए सरकारी कार्यक्रमों का आयोजन होटलों या निजी स्थानों पर करने के बजाय मुख्य सेवक सदन में आयोजित करने का सुझाव दिया है। मुख्यमंत्री धामी ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए है कि सरकारी कार्यक्रमों का आयोजन होटलों या निजी स्थानों पर न किया जाए उनका कहना है कि मुख्य सेवक सदन में सरकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएं जिससे होटलों और निजी स्थानों पर होने वाला खर्च बचेगा। उनका कहना है कि इस आशय के आदेश जिला स्तर पर होने वाले आयोजनों के लिए सुनिश्चित किए जाए जिससे जिला स्तर पर यह कार्य प्रणाली लागू की जाए। मुख्यमंत्री धामी के इन निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित होता है तो इसके बाद सरकारी कार्यक्रमों के होटलों में आयोजनों पर रोक लग जाएगी जिससे सरकारी धन की बचत हो सकेगी।

मोटरसाईकिल चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने खुले स्थान से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेमनगर निवासी कुंदन सिंह ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल दशहरा ग्राउड के पास खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वहां पर पहुंचा तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

लाखों की अफीम सहित बरेली के दो नशा तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। नशे के खिलाफ पुलिस को कल देर शाम खासी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने बरेली के दो नशा तस्करों को दबोच कर उनके पास से लाखों रूपये की अफीम बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज एसओजी टीम को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एसओजी टीम द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया गया। इस दौरान टीम को ब्लाक रोड पर दो संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये। एसओजी टीम द्वारा जब उन्हे रोकने का प्रयास किया गया तो वह सकपका कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उनके पास से 1 किलो 83 ग्राम अफीम व दो फोन बरामद हुए। पूछताछ में उन्होने अपना नाम शोहेल पुत्र शब्बीर निवासी कस्बा व थाना सिरौली जनपद बरेली व विकास मसीह पुत्र शमसून मसीह निवासी कमालपुर थाना अलीगंज जनपद बरेली बताया। बरामद अफीम की कीमत अंर्तराष्ट्रीय बाजार में 1 लाख 10 हजार रूपये आंकी गयी है।

मां व नाबालिग को भगाने में एक नामजद

संवाददाता

देहरादून। मां व नाबालिग को भगाने के मामले में पुलिस ने एक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर निवासी व्यक्ति ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि क्षेत्र में मजदूरी करने वाला मोहददीन नजार उसकी पत्नी को तीन साल पहले बहला फुसला कर भगा ले गया था। उसका धर्म परिवर्तन उसके साथ शादी कर ली थी तथा तीन साल तक अपने साथ रखने के बाद छह माह पूर्व उसको छोड दिया था तभी से उसकी पत्नी उसके साथ रह रही थी। गत दिवस वह मजदूरी करने गया था तभी पीछे से मोहददीन नजार उनके घर पर आया और उसकी पत्नी व नाबालिग बेटी को अपने साथ लग गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।